RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

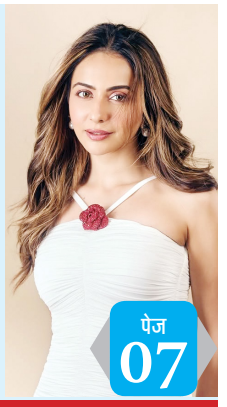

रकुल प्रीत सिंह ने साझा किया पति जैकी भगनानी के साथ काम करने का खास अनुभव

पेज 07

VOL: 03 | ISSUE 198 | MONDAY DATE 10-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

दक्षिण भारत की आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक है पुडुचेरी पुलिस : अमित शाह

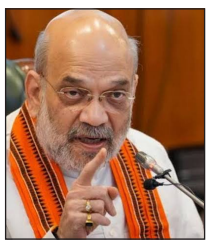

पुडुचेरी, यूटर्न/ 09 अगस्त । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' प्रदान किए जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि कम संसाधनों के बावजूद पुडुचेरी पुलिस ने मेहनत, वीरता, सेवा और समर्पण से यह सम्मान अर्जित किया है। पुडुचेरी में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने पुलिस को राष्ट्रपति का चिह्न भेंट किया। अमित शाह ने कहा, 'राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्रालय की ओर से मैं पुडुचेरी के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेश की सरकार, पुडुचेरी पुलिस और पुडुचेरी के लोगों को इस बड़ी उपलब्धि के लिए दिल से बधाई देता हूं।' उन्होंने कहा कि 5,000 से कम कर्मियों वाली पुडुचेरी पुलिस ने कड़ी मेहनत, वीरता, सेवा भाव और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। इसी वजह से उसे यह सम्मान मिला।

हमने पाकिस्तान में बैठे आतंकियों और उनके सरपरस्तों को नेस्तनाबूत किया: राजनाथ

» **दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त ।**

पहलगाम में धर्म पूछकर हमारे निर्दोष नागरिकों पर कायराना आतंकी हमला किया गया था। उसके बाद हमारी सेनाओं ने ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत की। हमने पाकिस्तान में बैठे आतंकियों और उनके सरपरस्तों को नेस्तनाबूत किया और दुनिया को यह बताया कि भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यह बात रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से, हमने दुनिया को बताया, हमारी नारी शक्ति के सिंदूर की रक्षा करने के लिए, हम किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को दिल्ली कैंट स्थित सेना के बेस अस्पताल में ये बातें कहीं। यहां एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था।

रक्षामंत्री ने बताया कि इस रक्तदान यात्रा का नाम भी बड़ा अद्भुत, 'सिंदूर' महारक्तदान यात्रा है। यह नाम खुद में एक प्रतीक है।

राजनाथ सिंह ने कहा, 'हम सब जिस अवसर पर एकत्र हुए हैं, वह महा रक्तदान यात्रा का अवसर है। और यह इसलिए खास है, क्योंकि यह मानवता, सहृदयता और राष्ट्रप्रेम से जुड़ा अवसर है। रक्तदान को हम हमेशा से जीवनदान या महादान कहते आए हैं।

रक्त का निर्माण किसी फैक्ट्री में नहीं हो सकता, किसी प्रयोगशाला में नहीं गढ़ा जा सकता। यह केवल एक स्वस्थ मानव शरीर के भीतर ही बनता है और केवल एक मानव ही इसे दूसरे मानव को दे सकता है। यही बातें रक्तदान को सभी दानों में सर्वोपरि बनाती हैं।

उन्होंने बताया कि सांगली से आए हमारे सैकड़ों वीर खिलाड़ी यहां अपना रक्त देंगे। यह एक सुरक्षा कवच बनकर भविष्य में, जरूरतमंद जवानों और उनके परिवारों के लिए एक विश्वसनीय भंडार के तौर पर रहेगा।

संक्षिप्त ताजा खबरें

भारत-अमेरिकी नौसेनाओं के बीच विस्फोट निपटान अभ्यास रविवार से कोच्चि में

नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त । भारत और अमेरिका की नौसेनाएं रविवार से कोच्चि में पांच दिन के विस्फोटक आयुध निपटान अभ्यास में शामिल होंगी। नौसेना ने शनिवार को बताया कि इसमें दोनों नौसेनाओं की विशेषज्ञ डाइविंग और विस्फोटकों को निष्क्रिय करने वाली टीमों के बीच अंतर-संचालन क्षमता और पेशेवर सहयोग बढ़ाने पर ध्यान दिया जाएगा। पांच दिवसीय अभ्यास में विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, क्रॉस-ट्रेनिंग, उपकरणों का प्रदर्शन और परिदृश्य-आधारित व्यावहारिक अभ्यास शामिल होंगे, जिनमें विस्फोटकों को निष्क्रिय करने के समकालीन तरीकों, उभरती प्रौद्योगिकियों और सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया जाएगा। 2005 से आयोजित संयुक्त साल्वेज और इन अभ्यासों की श्रृंखला का यह आठवां संस्करण है। यह अभ्यास परिचालन तालमेल तथा विशेष समुद्री अभियानों में सहयोग को मजबूत करेगा।

दिल्ली मेट्रो ने दुनिया की मेट्रो प्रणालियों को पीछे छोड़ा

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त । दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने ट्रेन परिचालन की समयबद्धता और विश्वसनीयता के मामले में हांगकांग, पेरिस और न्यूयॉर्क जैसी दुनिया की प्रमुख मेट्रो प्रणालियों को पीछे छोड़ते हुए अपनी एक अलग पहचान बनाई है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि डीएमआरसी परिचालन प्रदर्शन के लिए बेहद कड़े नियम अपनाता है। कई अंतरराष्ट्रीय मेट्रो प्रणालियां ट्रेन के कई मिनट विलंब से पहुंचने पर उसे लेट मानती हैं, वहीं दिल्ली मेट्रो में निर्धारित समय से 59 सेकंड से अधिक देरी होने पर भी ट्रेन को लेट माना जाता है। वर्ष 2003 में दिल्ली मेट्रो की पंक्चुअलिटी 98.27 प्रतिशत थी, जो 2005 में बढ़कर 99.64 प्रतिशत हो गई। इसके बाद से डीएमआरसी ने लगातार 99.9 प्रतिशत से अधिक समयबद्धता बनाए रखी है और वर्ष 2026 में अपने विशाल नेटवर्क के बावजूद 99.95 प्रतिशत की असाधारण पंक्चुअलिटी हासिल की है।

हमारा तिरंगा हमारा गौरव है, देश के लिए सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा: मोदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त ।**

देश के अलग-अलग राज्यों में रविवार से 'हर घर तिरंगा' अभियान की शुरूआत हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साल 2022 में शुरू हुआ 'हर घर तिरंगा' अभियान आज राष्ट्रप्रेम और जनभागीदारी का एक व्यापक जनआंदोलन बन चुका है। इस साल 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर संस्कृति मंत्रालय की एक पोस्ट को रिपोस्ट भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी पोस्ट में लिखा कि हमारा तिरंगा हमारा गौरव है और देश के लिए हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की निरंतर प्रेरणा है। आइए, हम 'हर घर तिरंगा' अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लें और 'विकसित भारत' के निर्माण में योगदान देने के अपने सामूहिक संकल्प को दोहराएं।

खुशी है कि इस वर्ष के प्रयास 'वंदे मातरम' को समर्पित हैं, और वह भी ऐसे समय में जब हम इसकी 150वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। वहीं, संस्कृति मंत्रालय ने अभियान के वेबसाइट 'हर घर तिरंगा डॉट कॉम' लॉच करते हुए कहा कि पिछले 150 सालों से 'वंदे मातरम' के उद्घोष ने देश की आत्मा को झकझोरा है। इस स्वतंत्रता दिवस पर, जब भारत 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा यात्राओं, रैलियों, संगीत कार्यक्रमों और सामूहिक गायन के लिए एकजुट हो रहा है, तो आइए वही भावना हर गली और हर घर तक पहुंचाएं। भारतीय जनता पार्टी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश में 10 से 15 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा' अभियान को बड़े जनसंपर्क अभियान के रूप में चलाने का फैसला किया है। पार्टी ने बूथ स्तर तक अभियान को पहुंचाने की रणनीति बनाते हुए कार्यकर्ताओं से प्रत्येक बूथ पर कम से कम 50 परिवारों को अभियान से जोड़ने का लक्ष्य दिया है।

इसके साथ ही प्रदेशभर में तिरंगा यात्राएं, शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का सम्मान, स्वच्छता अभियान तथा 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी प्रदेशवासियों से खास अपील की है। उन्होंने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'तिरंगा हमारे राष्ट्र की अस्मिता, एकता और गौरव का सर्वोच्च प्रतीक है। यह प्रत्येक भारतीय के हृदय में देशभक्ति, कर्तव्य और राष्ट्र प्रथम की भावना को और प्रबल करती है।

ममता बनर्जी के काफिले पर पथराव, पूर्व सीएम का आरोप- पुलिस के सामने हुआ सब कुछ

बैरकपुर, यूटर्न/ 09 अगस्त । पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के हलीशहर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के काफिले को विरोध का सामना करना पड़ा। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोककर उनकी गाड़ी पर कीचड़, पानी की बोतलें और जूते-चप्पल फेंके। ममता बनर्जी ने दावा किया कि पुलिस की मौजूदगी में यह सब हुआ है। ममता बनर्जी एक दिवंगत टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने जा रही थीं। इसी दौरान हलीशहर में पहले से मौजूद प्रदर्शनकारियों ने उनके काफिले को रोक दिया। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र हो गया और भीड़ ने उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया। प्रदर्शनकारियों ने ममता बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी भी की। घटना के बाद ममता बनर्जी ने मीडिया से बातचीत में दावा किया कि असामाजिक तत्वों ने पुलिस के सामने ही मेरी कार पर बड़े-बड़े पत्थर फेंके। गाड़ी पर हमला इतना जबरदस्त था कि अगर खिड़कियां खुली होतीं तो मेरा सिर फट जाता। हम सब मारे जा सकते थे।

ट्रेंडिंग न्यूज

नासिक में 4.3 तीव्रता के झटके, मकानों की दीवारों में दरारें

ट्रेंडिंग न्यूज

नासिक, यूटर्न/ 09 अगस्त । महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार रात 4.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे कई इलाकों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह झटका रात 10 बजे आया, जिसके बाद रविवार सुबह 5 बजकर 33 मिनट पर 3.3 तीव्रता का एक और झटका महसूस हुआ। भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के पास भनवड इलाके में पांच किलोमीटर की गहराई पर था। इन झटकों के कारण नासिक शहर सहित सुरगाणा और दिंडोरी तहसीलों के कुछ गांवों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए।

अगस्त क्रांति दिवस पर देवेंद्र यादव ने चांदनी चौक में फहराया तिरंगा, भाजपा पर साधा निशाना

नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त । अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने रविवार को पुरानी दिल्ली के चांदनी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल चौक पर ध्वजारोहण किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों और सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री देवेंद्र यादव ने कहा कि 9 अगस्त 1942 भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का निर्णायक दिन था, जब महात्मा गांधी ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ 'करो या मरो' का आ'ान करते हुए भारत छोड़ो आंदोलन शुरू किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास देश की आजादी, लोकतंत्र और प्रत्येक नागरिक के अधिकारों की रक्षा के संघर्ष का इतिहास है।

काकोरी डकैती नहीं, देश की आजादी के लिए क्रांतिकारियों का 'ट्रेन एक्शन' था : योगी

लखनऊ, यूटर्न/ 09 अगस्त । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 'काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह' का शुभारंभ करते हुए कहा कि काकोरी की घटना को डकैती कहना क्रांतिकारियों के बलिदान और उनके उद्देश्य को कमतर आंकना है। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों का एक ही लक्ष्य था भारत को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त कराना। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अंग्रेजों ने काकोरी ट्रेन एक्शन को 'डकैती' कहा, लेकिन दुर्भाग्य से स्वतंत्र भारत में सत्ता में आए लोगों ने भी लंबे समय तक इसे 'काकोरी डकैती कांड' कहकर क्रांतिकारियों को सम्मान देने के बजाय अपमानित करने का काम किया। काकोरी और चौरी चौरा जैसी घटनाओं को भी इतिहास में उचित स्थान नहीं दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की आजादी किसी एक व्यक्ति या एक विचारधारा के प्रयासों का परिणाम नहीं थी।

राहुल गांधी को प्रयागराज नहीं रांची जाना चाहिए था, बड़ी गलती कर दी : रिजिजू

नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त । कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रयागराज जाने को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी को प्रयागराज की बजाय रांची जाना चाहिए था। रिजिजू ने रविवार को कहा बड़ी गलती कर दी है, लेकिन गलतियां इंसान से होती हैं। इससे पहले राहुल गांधी और किरेन रिजिजू के बीच शनिवार को महिला आरक्षण को लेकर सोशल मीडिया पर तीखी बहस हुई थी। दोनों के बीच बहस महिला आरक्षण विधेयक को प्रस्तावित परिसीमन से जोड़ने को लेकर केंद्र और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध के बीच हुई थी।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

तिरंगा यात्रा 140 करोड़ देशवासियों को एक नई दिशा देने वाली है : नड्डा

तिरंगे के सम्मान को हमे हर हाल में बनाये रखना है

» जयपुर, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविवार को राजधानी जयपुर में अल्बर्ट हॉल से एक भव्य तिरंगा रैली का शुभारंभ को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान यात्रा रामनिवास बाग चौराहा, सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर समाप्त हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। समापन पर बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर डांस किया।

तिरंगा यात्रा को सम्बोधित करते हुए जेपी नड्डा ने नड्डा ने कहा कि मैं यहां कोई राजनीतिक बात करने नहीं आया हूं, लेकिन एक बेहद जरूरी विषय पर देश का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। हाल ही में राज्यसभा में प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर (संशोधन) एक्ट, 2026 (राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण संशोधन अधिनियम) पारित किया गया है। इससे पहले 55 साल पहले द प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट लाया गया था, जिसमें हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे संविधान, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय ध्वज के अपमान को दंडनीय अपराध घोषित किया गया था। उस समय कानून में राष्ट्रगान, संविधान और राष्ट्रीय ध्वज को तो जोड़ा गया, लेकिन हमारे वंदे मातरम (राष्ट्रगीत) को छोड़ दिया गया। मैं आज पूछना चाहता हूं कि क्या इसे उस समय की भूल माना जाए, या फिर तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति कहा जाए? कारण जो भी रहा हो, लेकिन आज हम गर्व से कह सकते हैं कि साल 2026 में पारित हुए इस नए संशोधन कानून के बाद अब देश में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, संविधान और राष्ट्रीय ध्वज... इनमें से किसी का भी अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी।

सिरसा में हेपेटाइटिस ए का प्रकोप: दूषित पानी पीने से 100 से अधिक बीमार, दो की हालत गंभीर

» सिरसा, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

हरियाणा के सिरसा जिले के देसूजोधा गांव में हेपेटाइटिस ए का गंभीर प्रकोप सामने आया है। जहां कथित तौर पर दूषित पेयजल की आपूर्ति के कारण 100 से अधिक लोग बीमारी की चपेट में आ गए हैं। ग्रामीणों के अनुसार, दो युवा लड़कियों, 21 वर्षीय प्रभजोत और 18 वर्षीय प्रीत कौर की हालत गंभीर बनी हुई है, जिन्हें क्रमशः एम्स बठिंडा और दयानंद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लुधियाना में भर्ती किया गया है। जसमीत कौर, हरप्रीत कौर, गोपी और मनप्रीत कौर सहित कई अन्य लोग सिरसा, बठिंडा और लुधियाना के विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन हैं।

गांव के सरपंच चरनजीत सिंह और अन्य ग्रामीणों का आरोप है कि हाल ही में बिछाई गई पाइपलाइन में रिसाव के कारण घरों तक दूषित पानी पहुंचा, इससे यह स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से बीमार पड़ने वाले लोगों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही थी, बाद में चिकित्सकीय जांच में हेपेटाइटिस ए की पुष्टि हुई। स्वच्छ पेयजल की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने प्रदर्शन भी किया।

स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता दिखाकर पिछले पांच दिनों में गांव के 540 लोगों के नमूने लिए हैं। इसमें से 216 लोगों में बीमारी के संदिग्ध लक्षण मिले हैं, जबकि 45 मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। भर्ती मरीजों में दो बच्चे (पांच वर्ष तक), 26 युवा (18 वर्ष तक) और 17 वयस्क (60 वर्ष तक) शामिल हैं, जिनमें 30 पुरुष और 15 महिलाएं हैं। स्थिति का जायजा लेने के लिए जिला प्रशासन की एक टीम ने गांव का दौरा किया है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल, मजबूत स्वास्थ्य सेवाएं और प्रभावित मरीजों के इलाज का खर्च प्रशासन द्वारा वहन करने का आश्वासन दिया है।

राहुल गांधी ने छात्र का बढ़ाया हौसला: मैं भी नर्वस था कहकर जीता दिल

- डरने की कोई जरूरत नहीं है। मैं भी जब शुरूआत में भाषण देता था, तब नर्वस होता था। इसमें कोई प्रॉब्लम नहीं है। राहुल गांधी की इन प्रेरणादायक बातों ने छात्र का आत्मविश्वास वापस लौटाया और अपनी बात पूरी की।

» प्रयागराज, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

सोशल मीडिया पर इन दिनों कांग्रेस नेता राहुल गांधी का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में मंच पर घबराए हुए एक छात्र का आत्मविश्वास बढ़ाते दिख रहे हैं। छात्रों की गूंज नामक कार्यक्रम में राहुल गांधी ने छात्र को सहज महसूस कराने की कोशिश की, जिसकी खूब सराहना हो रही है।

दरअसल, कार्यक्रम के दौरान छात्र माइक पर अपनी बात रखने आया, लेकिन बोलते-बोलते वह इतना नर्वस हो गया कि अपनी बात ठीक से कह नहीं सका। छात्र की झिझक देखकर राहुल गांधी तुरंत उसके पास पहुंचे और छात्र को सहज होने के लिए प्रेरित किया। वीडियो में राहुल गांधी छात्र से कहते सुनाई देते हैं, ब्रदर, रिलैक्स करोड्ड कोई प्रॉब्लम नहीं है। तुम अपने घर पर हो। खुलकर बोलो। डरने की कोई जरूरत नहीं है। मैं भी जब शुरूआत में भाषण देता था, तब नर्वस होता था। इसमें कोई प्रॉब्लम नहीं है। राहुल गांधी की इन प्रेरणादायक बातों ने छात्र का आत्मविश्वास वापस लौटाया और अपनी बात पूरी की। यह पूरा घटनाक्रम सोशल मीडिया पर खूब साझा किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में केवल इसी छात्र ने नहीं, बल्कि बिहार के बी.एड. छात्र ने भी अपनी आर्थिक और रोजगार से जुड़ी गहरी निराशा साझा की। छात्र ने बताया कि कैसे परिवार ने उसकी पढ़ाई के लिए जमीन तक बेच दी, लेकिन फिर भी नौकरी नहीं मिली। राहुल गांधी ने उनकी बात को ध्यान से सुनकर हौसला बढ़ाया। छात्रों की गूंज कार्यक्रम में पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में देरी, बेरोजगारी, शिक्षा की बढ़ती लागत और प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर चर्चा हुई। इसमें उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में छात्र और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा शामिल हुए।

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं सामने आईं। कई यूजर्स ने राहुल गांधी के व्यवहार की सराहना कर एक संवेदनशील और प्रेरणादायक पल बताया। एक यूजर ने लिखा कि राहुल गांधी ने स्थिति को कितनी सहजता से संभाला और गर्मजोशी के साथ छात्र का हौसला बढ़ाया। इसे सच्चे नेतृत्व की पहचान बताया गया। हालांकि, कुछ अन्य यूजर्स ने इस घटना को राजनीतिक कार्यक्रम का हिस्सा बताकर अलग नजरिए से भी देखा।

संक्षिप्त खबरें

जीटी रोड पर भारी जाम से जूझे राहगीर, रेंगते रहे वाहन

साहिबाबाद, यूटर्न/ 09 अगस्त । कांवड़ यात्रा के चलते मुख्यमार्ग जीटी रोड पर सावन के दूसरे शनिवार को राहगीर जाम में जूझते रहे। थाना व चौकी पुलिस और यातायात कर्मियों तक के जाम खुलवाने में पसीने छूट गए। मोहन नगर से साहिबाबाद गांव की तरफ जाने वाले मार्ग पर घंटों वाहन रेंगते रहे। दिल्ली आने-जाने वाले और नौकरी पेशा लोगों की परेशानी बढ़ गई। वहीं, कनावनी मार्ग के पास भी जाम की भारी समस्या से लोग जूझते रहे। जीटी रोड को कांवड़ यात्रा के चलते वन-वे कर दिया गया है। यहां तक कि यातायात संचालन के लिए आरक्षित की गई एक लेन को भी बल्लियां लगाकर दो हिस्सों में बांटा गया है। शनिवार को दिन में जहां इस मार्ग पर लोगों को जाम से राहत मिली, वहीं शाम को भारी जाम के हालात बन गए। चौकी से लेकर थाना पुलिस और यातायात पुलिस भी मुस्तैद रही, लेकिन वाहनों की थमी रफ्तार ने उनके भी पसीने छुड़ा दिए। कई घंटे तक जीटी रोड और उससे जुड़े अन्य मार्गों पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई। लोगों को अपने गंतव्यों तक पहुंचने में 40-60 मिनट तक का समय लग गया। जीटी रोड पर साहिबाबाद रेलवे स्टेशन वाला कट भी खोला गया। एसीपी यातायात प्रथम सुचिता सिंह ने बताया कि कांवड़ियों के निकलने के समय जगह-जगह पर ट्रैफिक को रोककर बढ़ाया जाता है। ऐसी स्थिति में जाम लगता है। तैनात पुलिसकर्मी जाम खुलवाने में जुटे रहते हैं। कई कटों को खोल दिया गया है ताकि यातायात सुचारू रहे। कुछ स्थानों व मार्गों पर सुबह व शाम के समय जाम की समस्या हो रही है। वहां पुलिसकर्मियों को यातायात सुचारू रखने के निर्देश दिए गए हैं।

16 साल की उम्र में बहन के स्वस्थ होने के लिए उठाई कांवड

साहिबाबाद, यूटर्न/ 09 अगस्त । सावन में शिवभक्ति की अलग-अलग तस्वीरें देखने को मिल रही हैं। इसी आस्था के बीच 16 और 17 वर्षीय नाबालिग अपनी नौ साल की बहन के जल्द स्वस्थ होने की कामना लेकर 71 लीटर गंगाजल उठाया। दोनों भाईयों ने संकल्प लिया है कि बहन के पूरी तरह स्वस्थ होने तक वह हर साल हरिद्वार से भगवान भोलेनाथ के लिए गंगाजल लेकर आएंगे। दिल्ली निवासी सागर ने बताया कि नौ साल की एक छोटी बहन और वह तीन भाई हैं। बहन बहुत दिनों से बीमार चल रही है। वर्तमान में बहन की स्थिति यह की वह अपने पैरों पर खड़ी भी नहीं हो पाती है। उन्होंने अपने भाई वरुण के साथ हरिद्वार से गंगाजल लाने के लिए कहा। दोनों भाई 20 जुलाई को हरिद्वार पहुंचे और 23 जुलाई को 71 लीटर गंगाजल उठाया है।

कैग की रिपोर्ट ने केजरीवाल सरकार के 3500 करोड़ रूपए का घोटाला किया उजागर: प्रवेश साहिब सिंह

» नयी दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं दिल्ली सरकार में मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने केजरीवाल सरकार पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपने 11 साल के शासनकाल में किये भ्रष्टाचार का हिसाब देना पड़ेगा। श्री प्रवेश सिंह ने आज प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, 'नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट श्री केजरीवाल के भ्रष्टाचार का लिखित दस्तावेज है क्योंकि हम सब जानते हैं कि उनकी सरकार में कभी भी ऑडिट नहीं होता था और हमारी सरकार के 18 महीने के अंदर ही 24 रिपोर्ट आ चुकी है।' उन्होंने कहा कि हर रिपोर्ट में हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार सामने आया है और जो सात अगस्त 2026 को कैग की रिपोर्ट विधान सभा में पेश की गयी वह 31 मार्च 2023 तक की रिपोर्ट है जिसमें 3500 करोड़ रुपये की अनियमितताएं सामने आई है। उन्होंने कहा कि दो दिन पूर्व सामने आई कैग की रिपोर्ट के बाद हम कह सकते है कि श्री केजरीवाल ने नियमों की अवेहलना कर 1185 मैन्युअल टेंडर करके और टेंडरों में अरबिट्रेशन क्लोज डाल खूब घोटाले किये। श्री प्रवेश सिंह ने कहा कि हर वित्तीय वर्ष में केजरीवाल सरकार ने क्या क्या भ्रष्टाचार किया है, उसकी सारी लिखित जानकारी कैग रिपोर्ट में है। रिपोर्ट के अनुसार के दिल्ली की जनता का लगभग 70410 करोड़ रुपये का कुछ व्यापारियों पर बकाया था और यह राशि पांच साल से ज्यादा समय से दिल्ली की सरकार वसूल नहीं कर रही थी।

ग्रामीणों के स्नेह और सम्मान से अभिभूत हूं, गांवों के विकास में हरसंभव सहयोग रहेगा : राजेश ठकराल

धर्मपुरा गांव में हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष राजेश ठकराल का ग्रामीणों ने किया जोरदार स्वागत, जलपान कार्यक्रम में ग्रामीणों से किया संवाद

» हरियाणा, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष राजेश ठकराल का रविवार को धर्मपुरा गांव पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा गर्मजोशी एवं उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। ग्रामीणों ने फूल-मालाओं के साथ उनका अभिनंदन किया तथा जलपान कार्यक्रम का आयोजन कर उनका सम्मान किया। इस दौरान गांव के अनेक गणमान्य नागरिक, पूर्व सरपंच, पंच एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

राजेश ठकराल ने ग्रामीणों द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत एवं सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गांव के लोगों द्वारा दिया गया स्नेह और सम्मान उनके लिए हमेशा प्रेरणादायी रहेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और जनहित से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने के लिए वह निरंतर प्रयासरत हैं। गांवों में बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना तथा आमजन की समस्याओं का समाधान करवाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अनेक योजनाएं एवं विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने ग्रामीणों से आ'ान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी रखें और पात्र लोगों को इनका लाभ लेने के लिए प्रेरित करें।

राजेश ठकराल ने कहा कि व्यापारी समाज प्रदेश की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी है। हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के माध्यम से व्यापारियों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने और उनके हितों के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के साथ-साथ आम नागरिकों की समस्याओं और सुझावों को भी गंभीरता से सुना जाएगा।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने गांव से संबंधित विभिन्न विषयों पर राजेश ठकराल से चर्चा की तथा अपनी समस्याओं एवं सुझावों से अवगत करवाया। राजेश ठकराल ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा रखे गए जनहित के विषयों को संबंधित अधिकारियों एवं विभागों के समक्ष रखा जाएगा और समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किए जाएंगे।

स्वागत एवं जलपान कार्यक्रम में दयाल सिंह, भजनलाल, अशोक कुमार, पवन कुमार, महेंद्र कुमार, प्रीतम सिंह, शीला रानी, वीना रानी, राजेंद्र कुमार (पूर्व सरपंच), मीरा भाई, कर्मचंद, सीमा रानी (पंच), मदन लाल सहित अनेक सम्मानित ग्रामीण एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में राजेश ठकराल के प्रति विशेष उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि उनके गांव में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद करने और उनकी समस्याएं सुनने से ग्रामीणों में विश्वास और उत्साह बढ़ा है।

सतीश मुंजाल बने हरियाणा गौ सेवा आयोग के सदस्य

» हरियाणा, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

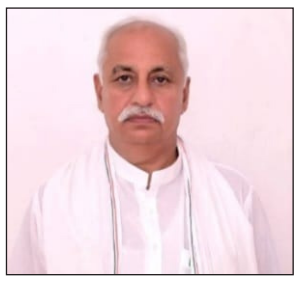

सीवन निवासी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता सतीश मुंजाल को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा गौ सेवा आयोग का सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी का माहौल है।

अपनी नियुक्ति पर सतीश मुंजाल ने हरियाणा के महामहिम राज्यपाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहर लाल, प्रदेश अध्यक्ष अर्चना गुप्ता, संगठन महामंत्री फणींद्रनाथ शर्मा तथा भाजपा जिला अध्यक्ष कैथल ज्योति सैनी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पार्टी और सरकार ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसके लिए वे सभी वरिष्ठ नेताओं के आभारी हैं।

सतीश मुंजाल ने कहा कि हरियाणा गौ सेवा आयोग के सदस्य के रूप में मिली जिम्मेदारी उनके लिए सम्मान के साथ-साथ महत्वपूर्ण दायित्व भी है। गौ सेवा भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गौ संरक्षण, गौ संवर्धन तथा बेसहारा गौवंश की देखभाल के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आकर सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वे अपने दायित्व का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे।

उनका प्रयास रहेगा कि गौशालाओं की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने, गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन तथा लोगों में गौ सेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जाएं।

मुंजाल ने कहा कि प्रदेश सरकार गौ सेवा एवं गौ संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है और आयोग के माध्यम से इन प्रयासों को और गति देने का प्रयास किया जाएगा।

पांच करोड़ बेलपत्रों से होगा महामृत्युंजय यंत्र का अभिषेक

□ नागपंचमी पर खुलेगा दिव्य द्वार □ आयोजकों का दावा कि भारत देश का कालसर्प दोष होगा दूर

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 09 अगस्त । तप की तपिश, साधना की शक्ति और श्रद्धा की आस्था से सृजित विश्व के सबसे बड़े महामृत्युंजय यंत्र का दिव्य द्वार अब हिसार में खुलने जा रहा है। मैय्यड़ स्थित ओम सिद्ध महामृत्युंजय अंतरराष्ट्रीय योग एवं ज्योतिष अनुसंधान केंद्र में 37 वर्षों की अखंड साधना से निर्मित इस यंत्र को 17 अगस्त, नागपंचमी के पावन अवसर पर आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाएगा।

इस अवसर पर यंत्र पर पांच करोड़ बेलपत्र अर्पित किए जाएंगे। आयोजकों का दावा है कि इस महाअनुष्ठान से भारत देश का कालसर्प दोष दूर होगा। प्रयागराज में अस्थायी रूप से स्थापित किए जाने के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहे इस यंत्र की अब मैय्यड़ में स्थायी स्थापना की गई है।

शनिवार को अनुसंधान केंद्र में आयोजित प्रेस वार्ता में स्वामी सहजानंद महाराज ने कहा कि यह यंत्र उनके 37 वर्षों की अखंड साधना का साकार स्वरूप है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य केवल दर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां श्रद्धालुओं को ध्यान, पूजा-पाठ, महामृत्युंजय साधना और आध्यात्मिक चिंतन का अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने इसे आध्यात्मिक चेतना और आत्मकल्याण का वैश्विक केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

तप से सिद्धि, साधना से सृजन... 37 साल में साकार हुआ संकल्प: स्वामी सहजानंद महाराज ने बताया कि विश्व के सबसे बड़े महामृत्युंजय यंत्र के निर्माण की यात्रा 37 वर्षों की साधना से पूरी हुई। इससे पहले इस यंत्र को प्रयागराज में स्थापित किया गया था, जहां करोड़ों श्रद्धालुओं ने इसके दर्शन किए। अब इसे स्थायी रूप से मैय्यड़ स्थित अनुसंधान केंद्र में स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि यह अपनी तरह का पहला और विश्व का सबसे बड़ा महामृत्युंजय यंत्र है। इसके माध्यम से भारतीय ऋषि परंपरा, योग, ज्योतिष और आध्यात्मिक विज्ञान को एक ही मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है।

नागपंचमी पर आस्था का महासंगम, चढ़ेंगे पांच करोड़ बेलपत्र: 17 अगस्त को नागपंचमी पर महामृत्युंजय यंत्र के लोकार्पण के साथ पांच करोड़ बेलपत्र अर्पित करने का महाअनुष्ठान होगा। आयोजकों के अनुसार, बेलपत्रों का यह विशाल अर्पण धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। उनका दावा है कि इस अनुष्ठान के माध्यम से भारत देश के कालसर्प दोष को दूर करने का संकल्प लिया गया है। इस आयोजन के जरिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को महामृत्युंजय साधना, यंत्र-दर्शन और आध्यात्मिक अनुष्ठान से जोडने की तैयारी है।

आयोजकों ने बताया कि नागपंचमी के दिन होने वाला पांच करोड़ बेलपत्रों का अर्पण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक व्यापक आध्यात्मिक संकल्प के रूप में किया जा रहा है। उनके अनुसार, इस महाअर्पण का उद्देश्य भारत देश के कालसर्प दोष को दूर करने की आध्यात्मिक साधना करना है।

हर घर तिरंगा, हर दिन तिरंगा' का संकल्प लेकर आगे बढ़ें : नवीन जिन्दल

» प्रमोद कौशिक

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 09 अगस्त । देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने वाले 'हर घर तिरंगा' अभियान के पांचवें संस्करण की हरियाणा में शुरूआत धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र से हो रही है। इस संदर्भ में सांसद एवं फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष नवीन जिन्दल ने एक वीडियो संदेश द्वारा देशवासियों से 'हर घर तिरंगा, हर दिन तिरंगा' का संकल्प लेने का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। इसे केवल कुछ विशेष दिनों तक सीमित नहीं किया जाना चाहिए।

सांसद नवीन जिन्दल ने कहा, 'जब तिरंगा फहराने का हमारा अधिकार 365 दिन का है, तो तिरंगे का उत्सव भी 365 दिन होना चाहिए।'

उन्होंने कहा कि 1992 में शुरू हुआ उनका तिरंगे के साथ जुड़ाव केवल व्यक्तिगत यात्रा नहीं, बल्कि हर भारतीय को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के साथ जोड़ने का संकल्प रहा है।

उन्होंने कहा कि तिरंगा फहराने के अधिकार के लिए 10 वर्ष तक चली कानूनी लड़ाई के बाद वर्ष 2004 में सुप्रीम कोर्ट ने हर भारतीय को पूरे वर्ष सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अधिकार दिया। इसके बाद उनका प्रयास रहा कि यह अधिकार केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के हर घर तक पहुंचे। 'हर घर तिरंगा' ने बदली देश की तस्वीर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2022 में शुरू किए गए 'हर घर तिरंगा' अभियान का उल्लेख करते हुए सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि इस अभियान ने देश में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति भावनाओं को नई ऊंचाई दी है। उन्होंने कहा, 'जब राजनीतिक झंडों की जगह केवल राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की बात होने लगी तो यह देखकर गर्व हुआ। लेकिन सवाल यह है कि सिर्फ कुछ दिन ही क्यों? तिरंगा तो हर भारतीय के दिल में हर दिन होना चाहिए।' इसी भावना के साथ फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने 'हर घर तिरंगा, हर दिन तिरंगा' को अपना ध्येय बनाया है।

इस बार 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ से जुड़ा अभियान। नवीन जिन्दल ने बताया कि इस वर्ष 'हर घर तिरंगा' अभियान का महत्व और बढ़ गया है, क्योंकि इसे राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा, 'तिरंगा हमारी पहचान है और वंदे मातरम हमारी आवाज।

हांसी पुलिस ने विद्यार्थियों के बीच करवाया खो-खो खेल का आयोजन, नशे से दूर रहने का दिया संदेश

» हरियाणा, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

पुलिस अधीक्षक हांसी विनोद कुमार, आईपीएस के मार्गदर्शन में हांसी पुलिस द्वारा युवाओं को नशे से दूर रखने एवं खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदू सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सिसाय रोड हांसी में खो-खो खेल का आयोजन करवाया गया। थाना प्रभारी सदर हांसी इंस्पेक्टर सदानंद द्वारा खेल प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक खो-खो खेल में भाग लिया। इंस्पेक्टर सदानंद ने विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों में भाग लेने से अनुशासन, टीम भावना और आत्मविश्वास बढ़ता है। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करते हुए नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों को बताया गया कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर बुरा प्रभाव डालता है।

उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर खेलों एवं अन्य सकारात्मक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आ'ान किया। इस अवसर पर थाना प्रभारी सदर हांसी इंस्पेक्टर सदानंद, स्कूल प्राचार्य, स्कूल स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। पुलिस द्वारा विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

दुकानदार से मारपीट करने का आरोपी गिरफ्तार

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 09 अगस्त । कुरुक्षेत्र पुलिस ने दुकानदार से मारपीट करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री चन्द्र मोहन के कुशल मार्ग दर्शन में कृष्णा गेट पुलिस टीम ने दुकानदार से मारपीट करने के आरोपी रागिब अली वासी चक्रवर्ती मोहल्ला थानेसर कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस को दी अपनी शिकायत में जसवंत सिंह पाहवा वासी चक्रवर्ती मोहल्ला थानेसर कुरुक्षेत्र ने बताया कि उसकी लक्ष्मण चौंक पर सहाय क्लिनिक के सामने दुकान है।

आज नीचे हरियाणा ग्लास का दुकानदार अली ने उससे कहा कि वह आपके दुकान पर बोर्ड लगाएगा। उसने कहा कि आप अपनी जगह पर बोर्ड लगाएं नही तो दुकान मालिक से फोन पर बात कर लिजिए। इस बात से गुस्सा होकर अली ने इरशाद और ताहिर के साथ मिलकर उसकी दुकान में घुस आए और उसे मारना पीटना शुरू कर दिया। उसे फ्लैक्स फाड दिए, गमले तोड़ दिये उसने मुश्किल से अपना बचाव किया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

धर्मनगरी में प्रदेश की पहली तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे 10 हजार नागरिक : सुभाष सुधा

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी 10 अगस्त को तिरंगा यात्रा में होंगे शामिल

» कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि देश के वीरों और शहीदों को समर्पित प्रदेश की पहली तिरंगा यात्रा का आयोजन 10 अगस्त को कुरुक्षेत्र में किया जा रहा है। इस तिरंगा यात्रा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शामिल होंगे। यह तिरंगा यात्रा पूजा मॉडल स्कूल सेक्टर 2 से शुरू होकर लघु सचिवालय में स्थित शहीदी स्मारक पर संपन्न होगी। यह तिरंगा यात्रा ऐतिहासिक और यादगार रहेगी। इस यात्रा में 10 हजार की संख्या में युवा, भाजपा नेता, कार्यकर्ता व आमजन शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस तिरंगा यात्रा में नागरिक 500 फीट लंबा तिरंगा झंडा लेकर शामिल होंगे। युवाओं, भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं व आमजन में तिरंगा यात्रा को लेकर जोश व उत्साह नजर आ रहा है। इस तिरंगा यात्रा में थानेसर विधानसभा, लाडवा विधानसभा सहित पूरे कुरुक्षेत्र जिला के गांवों व नगर परिषद के सभी वार्डों से नागरिक हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि लघु सचिवालय स्थित शहीद स्मारक की भव्य सजा-सजावट की जा रही है। चौकों व अन्य स्थानों की सुंदरता बनाने के लिए ध्वज के साथ सजाना शुरू किया गया है। इसके साथ ही पेड़ों पर सफेदी की जा रही है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि इस तिरंगा यात्रा को सफल बनाने के लिए भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की डयूटियां लगा दी गई है। इस यात्रा की तैयारियां जोर-शोर से शुरू कर दी गई है और सभी भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश और उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस-2026 के उपलक्ष्य में प्रदेश सरकार इस वर्ष 'हर घर तिरंगा अभियान' को पहले से अधिक व्यापक, प्रभावी एवं जनभागीदारी आधारित स्वरूप में आयोजित किया जाएगा।

इतना ही नहीं यह अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता तथा स्वतंत्रता संग्राम के महान बलिदानों के प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए आमजन की भागीदारी भी सुनिश्चित की जाएगी।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

राहुल गाँधी :सत्ता के लिये गंभीर चुनौती

तनवीर जाफरी

सवाल यह है कि क्या वजह है कि भाजपा द्वारा कई वर्षों तक करोड़ों रुपए खर्च कर राहुल गांधी की छवि को पप्पू बनाने का नरेटिव गढ़ा गया और सोशल मीडिया पर उनकी छवि बिगाड़ने का बाकायदा अभियान चलाया गया ? भाजपा के आईटी सेल ने करोड़ों रुपये खर्च कर राहुल गांधी की राजनीतिक साख को खत्म करने के लिए सोशल मीडिया पर एक सुनियोजित अभियान चलाया। इस अभियान के तहत राहुल गांधी के भाषणों की अधूरी वीडियो क्लिप्स, मीम्स और भ्रामक प्रचार सामग्री के जरिये उन्हें एक अपरिपक्व राजनेता के रूप में पेश करने की कोशिश की गई।

नेता विपक्ष राहुल गांधी की आवाज को दबाने व युवाओं तक उनकी पहुँच को नियंत्रित करने का सरकार का प्रयास पिछले दिनों एक बार फिर विफल हो गया जबकि प्रयागराज के कायस्थ पाठशाला ग्राउंड में सांसद राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए 8 अगस्त को दे दी गयी। इसे प्रशासन की समझदारी ही कहा जायेगा कि उसने ग्राउंड के इस्तेमाल की पुनः अनुमति देकर छात्रों व युवाओं से होने वाले संभावित टकराव को टाल दिया। परन्तु मात्र दो दिनों के भीतर प्रशासन की इस पल्टीबाजी से यह सन्देश तो चला ही गया कि व्यवस्था द्वारा एक बार फिर राहुल गांधी को छात्रों व युवाओं से संवाद करने में विघ्न डालने की कोशिश की गयी। खबर यह भी है कि प्रयागराज के निकटवर्ती जिलों में अनेक छात्र छात्राओं को नजरबंद कर उन्हें सभा में पहुँचने से रोका गया। सभास्थल के आसपास सत्ता समर्थकों द्वारा राहुल गाँधी का विरोध करने वाले पोस्टर लगवाए गए। यहाँ तक कि भाजपा कार्यकताओं द्वारा आनंद भवन के पास राहुल गांधी के काफिले को काला झंडा एवं भगवा झंडा दिखाकर उनका विरोध किया गया। ऐसा लग रहा था कि किसी सत्ताधारी नेता का विरोध किया जा रहा हो। आयोजकों के अनुसार मौसम के चलते ग्राउंड में कीचड़ सफाई व सभास्थल को समतल बनाने में भी स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई विशेष सहयोग नहीं किया गया।इन सब के बावजूद राहुल गांधी को सुनने के लिये भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा।

सवाल यह है कि क्या वजह है कि भाजपा द्वारा कई वर्षों तक करोड़ों रुपए खर्च कर राहुल गांधी की छवि को पप्पू बनाने का नरेटिव गढ़ा गया और सोशल मीडिया पर उनकी छवि बिगाड़ने का बाकायदा अभियान चलाया गया ? भाजपा के आईटी सेल ने करोड़ों रुपये खर्च कर राहुल गांधी की राजनीतिक साख को खत्म करने के लिए सोशल मीडिया पर एक सुनियोजित अभियान चलाया। इस अभियान के तहत राहुल गांधी के भाषणों की अधूरी वीडियो क्लिप्स, मीम्स और भ्रामक प्रचार सामग्री के जरिये उन्हें एक अपरिपक्व राजनेता के रूप में पेश करने की कोशिश की गई। उसी पप्पू से आज भाजपा इतनी डरी हुई है कि जगह जगह उसे राहुल गाँधी के कार्यक्रम निरस्त कराने,जनता से मिलने से उन्हें रोकने तथा उन्हें परेशान करने के लिये तरह तरह के हथकंडे अपनाने पड़ रहे हैं ? अभी गत 17 जुलाई को देहरादून में परेड ग्राउंड में भी इसी तरह का छात्रों की गूंज आयोजित होना था जिसमें राहुल गाँधी को छात्रों से रूबरू होना था। यहाँ भी प्रशासन ने पहले अनुमति दी फिर वहां पहले से एक अन्य सरकारी कार्यक्रम का बहाना बता कर परेड ग्राउंड की अनुमति रद्द कर दी। जबकि कांग्रेस का आरोप था कि उन्होंने 15 से 17 जुलाई तक के लिए परेड ग्राउंड की बाकायदा अग्रिम अनुमति ली थी और नगर निगम में 1.77 लाख की फीस भी जमा कराई थी। परन्तु शायद पुष्कर सिंह धामी सरकार राहुल गांधी की बढ़ती लोकप्रियता और ठएएळ पेपर लीक तथा बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर छात्रों के साथ होने वाले राहुल के इस सीधे संवाद से डर गई थी, जिसके कारण ऐन वक़्त पर झूठा बहाना बनाकर अनुमति रद्द कर दी गई। इसके बाद कार्यक्रम का वेन्यू बदलकर देहरादून के ही बन्नू स्कूल मैदान में स्थानांतरित किया गया, जहां अंततः राहुल गांधी का यह छात्र संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ और अनुमान से भी अधिक युवा वहां पहुंचे।

इसी तरह उत्तराखंड के कोटद्वार में 4 जून 2026 को उत्तराखंड दौरे के दौरान कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल) और अल्मोड़ा के कार्यक्रमों में प्रशासन ने राहुल गांधी का हेलीकॉप्टर खराब मौसम की बात बताकर उतरने नहीं दिया था। इस के पीछे प्रशासन और पायलटों द्वारा खराब मौसम और सुरक्षा कारणों का हवाला दिया गया था। उस समय भी राहुल के कोटद्वार और अल्मोड़ा के सभी कार्यक्रम रद्द हो गए थे । उस समय भी उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत ने प्रशासन, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय और यूकाडा पर सीधे सवाल उठाए थे । रावत ने आरोप लगाया था कि जब उसी हवाई मार्ग पर सरकार और अन्य निजी ऑपरेटरों की हेलीकॉप्टर सेवाएं सामान्य रूप से उड़ान भर रही थीं और अल्मोड़ा से हल्द्वानी के बीच आवाजाही हो रही थी, तो सिर्फ राहुल गांधी के हेलीकॉप्टर को ही उड़ान भरने की अनुमति क्यों नहीं दी गई? कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया था कि सरकार के इशारे पर प्रशासन ने जानबूझकर खराब मौसम का बहाना बनाया ताकि राहुल गांधी युवाओं, पूर्व सैनिकों और आम जनता से संवाद न कर सकें।

इसके कुछ ही दिनों बाद राजस्थान के कोटा में भी 17 जून 2026 को राहुल गांधी के छात्र संवाद कार्यक्रम छात्रों की गूंज के आयोजन स्थल की अनुमति प्रशासन द्वारा रद्द कर दी गयी थी। और कार्यक्रम के प्रचार के लिए लगाए गए कई होर्डिंग्स और पोस्टर्स को हटा दिया गया था।

आज की असलीयत- दान चोरी में प्रजातंत्र के मंदिर अव्वल...?

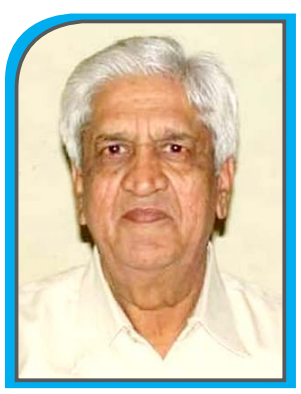

ओमप्रकाश मेहता

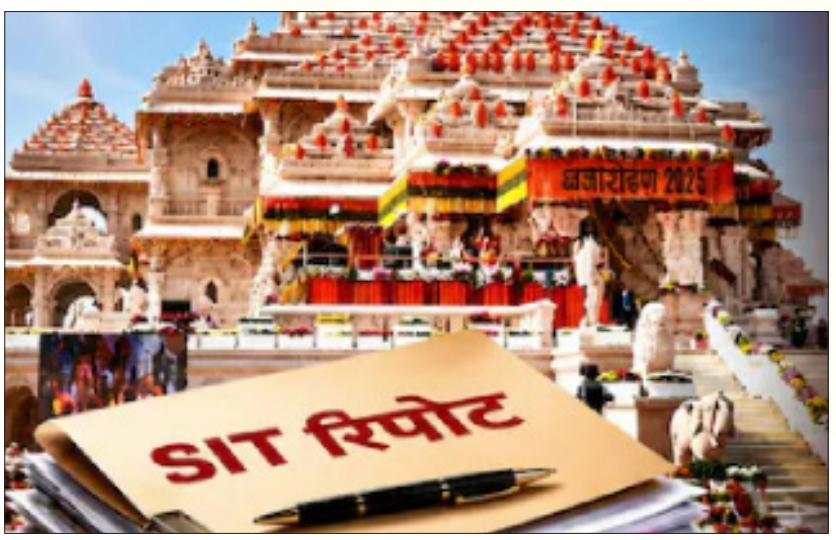

इन दिनों भारत जैसे धर्मप्रधान देश में 'दान चोरी' का मुद्दा अहम् चर्चा में है, देश के चारों प्रमुख तीर्थों बद्रीनाथ, रामेश्वरम्, जगन्नाथपुरी और द्वारका के मंदिर विशेष चर्चा में है, यही नहीं देश के अन्य प्रमुख मंदिरों को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे है, किंतु यहां मुख्य वेदना की बात यह है कि लगभग देश की आजादी के बाद से ही हमारे प्रजातंत्र के मंदिरों संसद व विधानसभाओं में चयनित पुजारियों (नेताओं) द्वारा लम्बे समय से की जा रही दान चोरी की कोई बात नही कर रहा? चूंकि हमारा भारत धार्मिक आस्थावानों का देश है, इसलिए धर्म के साथ दान चोरी को जोड़कर चर्चा चलाई गई, किंतु क्या किसी ने भी प्रजातंत्र के मंदिरों में कथित चयनित पुजारियों (नेताओं) द्वारा कितनी दान चोरी की जा रही है और अपनी भावी सात पुश्तों के लिए ये इससे अपनाप सुरक्षा कवच तैयार कर रहे है, उस पर किसी ने ध्यान नही दिया? चंदे और कर्ज के माध्यम से चुनाव लड़ने वाला तथा कथित गरीब राजनेता कुछ ही महीनों में कितना धनाढ्य हो जाता है? इस पर क्या किसी ने भी आज तक गौर किया? दान चोरी को लेकर हमारी दृष्टि इतनी संकीर्ण क्यों?

अब इसे प्रजातंत्र का अहम् दोष कहा जाए या बदलते समय का दुःखद परिदृष्य? कि आज देश में करोड़-अरबपति राजनेताओं की भरमार है और जिस माध्यम से उन्हें यह उपलब्धि हासिल हुई है, वह पहले भी और दयनीय स्थिति में है, यह एक अहम् गंभीर निंदनीय बिन्दू है जिस पर न तो किसी भी क्षेत्र के शीर्ष ने विचार किया और न विभिन्न पारिवारिक आर्थिक परेशानियों में फंसाए गए दीन-हीन जन परिवारों को ही इसके योग्य रखा?

किंतु यह एक अहम्विचारणीय बिन्दू अवश्य है कि प्रजातंत्र के मंदिरों के इन चयनित पुजारियों पर निगरानी कौन रखेगा? और यदि यही कुछ वर्ष और चलता रहा तो बदनामी प्रजातांत्रिक पद्धति के सिर होगी और राजनेता तथा उसे अपने सिर पर बैठाने वाली जनता मूक दर्शक बन जाएगी?

अकालियों को महिला आरक्षण और परिसीमन दोनों भाए...यह कैसे हुआ?

संदीप शर्मा

राजनीतिक सिद्धांतों को फिर से समझने के कई तरीके हैं। शिरोमणि अकाली दल (SAD) को इनमें से एक बहुत सुविधाजनक तरीका मिल गया है: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के तुरंत बाद उन्हें समझना। SAD अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की मोदी से मुलाकात के एक दिन बाद, अकाली दल ने घोषणा की कि वह महिला आरक्षण का समर्थन करता है और परिसीमन के लिए भी तैयार है – बशर्ते यह प्रक्रिया 'निष्पक्ष' हो और इससे किसी राज्य को नुकसान न हो।

समय कैसे बदलता है: कुछ समय पहले तक, परिसीमन उन विषयों में से एक था जिस पर राजनीतिक पार्टियाँ तुरंत शक करने लगती थीं। यह मामला इसलिए भी विवादित था क्योंकि लोकसभा सीटों का जनसंख्या-आधारित पुनर्वितरण उन राज्यों को फायदा पहुँचा सकता था जहाँ आबादी बढ़ी थी, जबकि उन राज्यों का राजनीतिक महत्व कम हो सकता था जिन्होंने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में बेहतर काम किया था।

अकाली दल को भी इस पर आपत्तियाँ थीं, अब उन्हें परिसीमन के फायदे समझ आ गए हैं: शायद इसकी वजह साफ है। रअऊ के पास बचाने के लिए अब कोई राष्ट्रीय चुनावी साम्राज्य नहीं बचा है।

कांग्रेस के सांसद पूरे देश में फैले हुए हैं। BJP का संगठन पूरे देश में है और कई राज्यों में उसकी सरकारें हैं। दक्षिण की क्षेत्रीय पार्टियों के पास अच्छी-खासी संसदीय ताकत है और इसलिए सीटों के पुनर्वितरण का उन पर बहुत असर पड़ेगा।

वहीं, अकाली दल अपनी राष्ट्रीय चुनावी चिंताओं को पंजाब से ही देख सकता है: जब देश अपना चुनावी नक्शा फिर से बना रहा हो, तो राष्ट्रीय स्तर पर कोई मौजूदगी न होने में एक तरह की आजादी महसूस होती है। आप नक्शा बनाने की प्रक्रिया का समर्थन कर सकते हैं, बिना इस बात की ज्यादा चिंता किए कि किसका चुनाव क्षेत्र कहाँ जा रहा है।

महिला आरक्षण के प्रति रअऊ का नया उत्साह भी उतना ही दिलचस्प है: पार्टी ने अपने समर्थन को सही ठहराने के लिए समानता के सिख सिद्धांतों और SGPC में महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण का हवाला दिया है। यह ठीक भी है। लेकिन राजनीतिक सिद्धांत, बसों की तरह, कभी-कभी बहुत सही समय पर आते हैं। और यह सिद्धांत बादल की मोदी से मुलाकात के 24 घंटे बाद आया।

इस संयोग से एक और सवाल उठेगा: क्या अकाली दल अपनी वैचारिक मान्यताओं को फिर से समझ रहा है, या वह अपने पुराने राजनीतिक भूगोल को फिर से खोज रहा है? 2020 में कृषि कानूनों को लेकर गठबंधन टूटने से पहले इखढ और रअऊ 24 साल तक सहयोगी रहे थे। अब, 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं, ऐसे में दोनों पक्षों के पास एक-दूसरे की ओर फिर से देखने की वजहें हैं – हो सकता है कि शुरूआत में वे बस दूर से ही देखें, लेकिन देखेंगे जरूर।

मोदी-बादल की मुलाकात ने रिश्तों में सुधार की संभावनाओं पर अटकलें तेज कर दी हैं। दो संवेदनशील राष्ट्रीय मुद्दों पर केंद्र के साथ अकाली दल की अचानक सहमति ने इन अटकलों को और हवा दी है। बेशक, SAD का कहना है कि उसका रुख सिद्धांतों पर आधारित है। और जैसा कि हम जानते हैं, राजनीति एक ऐसा पेशा है जिसमें सिद्धांतों के चुनाव से ठीक पहले सामने आने की एक अजीब सी खूबी होती है। अकाली दल के लिए, यह हिसाब-किताब काफी आकर्षक हो सकता है: परिसीमन का समर्थन करना, महिला आरक्षण का समर्थन करना, दिल्ली के साथ तालमेल का संकेत देना – और सबसे अहम बात, यह सब बिना किसी बड़े राष्ट्रीय संसदीय आधार का बचाव किए करना। दूसरे शब्दों में, पार्टी ने शायद किसी राजनीतिक भूकंप का समर्थन करने का सबसे सुरक्षित तरीका खोज लिया है:

ऐसी जगह खड़े हों जहाँ भूकंप के झटके पहुँचने की संभावना न हो। इसलिए, असली कहानी शायद परिसीमन या महिला आरक्षण के प्रति SAD का अचानक पैदा हुआ लगाव नहीं है। हो सकता है कि छह-सात साल की राजनीतिक दूरी के बाद, अकाली और इखढ ने विचारधारा से भी ज्यादा मजबूत चीज को फिर से खोज लिया हो: एक ही राजनीतिक ठिकाने पर होने की सुविधा।

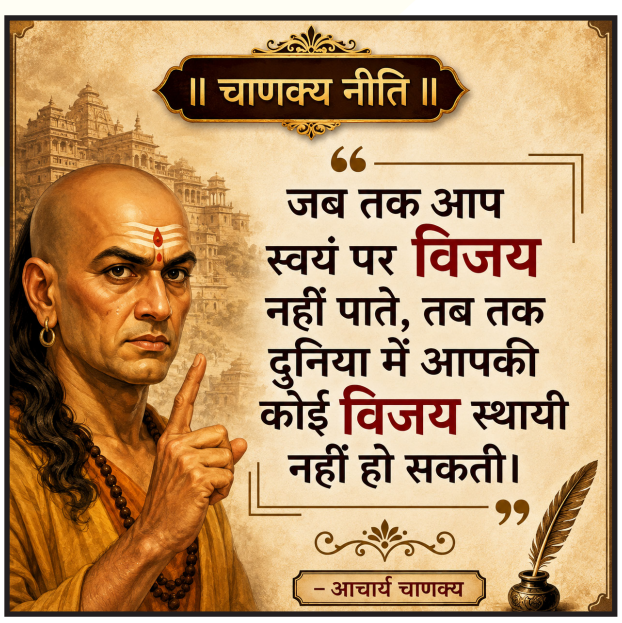

कर्नाटक को एससी छात्रों की पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के लिए 3 साल में 1,178 करोड़ रुपए जारी किए गए : केंद्र

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त**

केंद्र सरकार की ओर से पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान कर्नाटक में अनुसूचित जाति (एससी) के छात्रों के लिए 'केंद्र प्रायोजित पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना' के तहत लाभार्थियों को कुल 1,178.20 करोड़ रुपए का केंद्रीय हिस्सा जारी किया गया।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि कर्नाटक में एससी छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम के तहत लाभार्थियों को जारी किया गया केंद्रीय हिस्सा 2023-24 में 421.08 करोड़ रुपए, 2024-25 में 422.90 करोड़ रुपए और 2025-26 में 334.22 करोड़ रुपए था। तीन वित्तीय वर्षों में कुल मिलाकर 1,178.20 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन के माध्यम से अनुसूचित जाति (एसी) के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप स्कीम को केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में लागू करता है। यह योजना 2021-22 से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) मोड के माध्यम से लागू की जा रही है।

इस योजना के तहत स्कॉलरशिप का केंद्रीय हिस्सा जारी करना इस बात पर निर्भर करता है कि राज्य सरकारें और केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासन नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर भुगतान का अंतिम रूप से सत्यापित डेटा साझा करें। यह योजना पूरे भारत में मान्यता प्राप्त संस्थानों के सभी पात्र छात्रों के लिए खुली और मांग आधारित है।

अनुसूचित जातियों के लिए विकास कार्य योजना (डीएपीएससी) के बारे में सरकार ने बताया है कि नीति आयोग ने 2017 में डीएपीएससी के तहत फंड तय करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए थे। इन दिशानिदेर्शों के अनुसार, प्रत्येक संबंधित मंत्रालय या विभाग अपनी योजनाओं के माध्यम से अनुसूचित जातियों के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए डीएपीएससी के तहत फंड आवंटित करता है।

इन योजनाओं को संबंधित मंत्रालयों या विभागों की ओर से लागू किया जाता है, जबकि कर्नाटक सहित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को फंड का आवंटन संबंधित मंत्रालयों या विभागों द्वारा उनकी योजनाओं के दिशानिदेर्शों के अनुसार किया जाता है। आवंटित फंड केंद्रीय बजट के व्यय विवरण के स्टेटमेंट 10ए में दिखाए जाते हैं। सरकार की ओर से जवाब में कर्नाटक में पात्र अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए मांग-आधारित तंत्र और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर-आधारित डिलीवरी सिस्टम के माध्यम से स्कॉलरशिप सहायता के कार्यान्वयन का जिक्र किया गया है।

एफपीआई ने अगस्त के पहले सप्ताह में खरीदे 12,921 करोड़ के शेयर

नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त । अगस्त माह के पहले सप्ताह में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयरों में 12,921 करोड़ का निवेश किया है। जुलाई में 20,200 करोड़ रुपए के निवेश के बाद यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी निवेशक भारतीय बाजार में खरीदारी कर रहे हैं। इससे पहले मार्च से जून तक लगातार चार महीने एफपीआई भारी बिकवाल रहे थे, जिसमें मार्च में रिकॉर्ड 1.17 लाख करोड़ रुपए की निकासी हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, कच्चे तेल की नरमी, रुपये की स्थिरता और मजबूत घरेलू वृहद आर्थिक स्थिति विदेशी निवेशकों को आकर्षित कर रही है।

यूपीआई लेनदेन आम जनता के लिए मुफ्त, सरकार ने आरोपों को किया खारिज

बड़े व्यापारियों पर ही लग सकता है एमडीआर

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त**

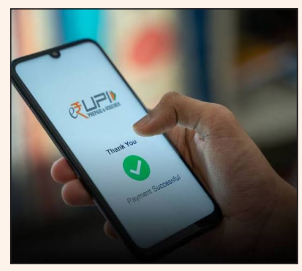

डिजिटल भुगतान करने वाले करोड़ों भारतीयों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए आम लोगों द्वारा किए जाने वाले लेनदेन पूरी तरह मुफ्त रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को भी सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें किसी बाहरी दबाव के चलते यूपीआई नीतियों में बदलाव की बात कही जा रही थी। व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) भुगतान भी पहले की तरह निःशुल्क जारी रहेगा। सरकार ने साफ किया है कि यूपीआई के माध्यम से भुगतान करने वाले आम ग्राहकों से कोई ट्रांजैक्शन चार्ज नहीं लिया जाएगा। भविष्य में अगर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होता भी है, तो इसका असर आम लोगों पर नहीं पड़ेगा। यह केवल कुछ बड़े कारोबारियों के चुनिंदा ट्रांजैक्शन पर ही लगाया जाएगा, जिसकी दर क्रेडिट और डेबिट कार्ड पर लगने वाले एमडीआर के मुकाबले काफी कम और मामूली होगी। एमडीआर कब और कितना लगाया जाए, इसका फैसला नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की यूपीआई एंड सर्विसेज स्टीयरिंग कमेटी करेगी। इसके लिए पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 की धारा 10ए में कानूनी बदलाव की आवश्यकता होगी, जिसका उद्देश्य यूपीआई तकनीक को बेहतर बनाना और भुगतान प्रणाली को मजबूत करना है। डिजिटल पेमेंट इंडस्ट्री का मानना है कि थ्रेशोल्ड का मतलब है कि भविष्य में एमडीआर सिर्फ ज्यादा टर्नओवर वाले बड़े व्यापारियों पर ही लगाया जाएगा। पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने पहले भी बड़े व्यापारियों के लिए 0.3 फीसदी की मामूली एमडीआर दर लागू करने का सुझाव दिया था। पीसीआई के अनुसार, देश के लगभग 90 फीसदी छोटे व्यापारी (सालाना टर्नओवर 20 लाख से कम) इससे प्रभावित नहीं होंगे। करीब 50 लाख बड़े कारोबारी, जो पहले से ही कार्ड पेमेंट पर 0.9 से 2 फीसदी तक एमडीआर देते हैं, वे ही इसके दायरे में आ सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

इंडस्ट्रियल एंड प्रूडेंशियल ने दिया 1200 फीसदी लाभांश का तोहफा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त । इंडस्ट्रीयल एंड प्रूडेंशियल इंवेस्टमेंट कंपनी ने अपने निवेशकों के लिए एक बड़ी घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 10 रुपये फेस वैल्यू वाले हर इक्विटी शेयर पर 120 रुपये (1200 फीसदी) का अंतिम लाभांश देने की सिफारिश की है। हालांकि, इस पर अंतिम मुहर शेयरधारकों की आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में लगेगी। कंपनी ने 22 मई 2026 को स्टॉक एक्सचेंज को दी गई फाइलिंग में बताया कि बोर्ड ने इस भारी-भरकम लाभांश को देने का सुझाव दिया है। शेयरधारकों की मंजूरी मिलने के बाद, डिविडेंड का भुगतान 21 अगस्त 2026 या उसके बाद किया जाएगा। यह लाभांश कंपनी के वित्त वर्ष 2025-26 के मुनाफे से दिया जाएगा। डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट 12 अगस्त 2026 तय की गई है। इस तारीख तक कंपनी के रजिस्टर में दर्ज नाम वाले शेयरधारक ही लाभांश पाने के हकदार होंगे। कंपनी की 110वीं एजीएम 20 अगस्त 2026 को सुबह 11:30 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य ऑडियो-विजुअल माध्यमों से आयोजित होगी। यह बैठक कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय और सेबी के दिशानिदेर्शों के तहत होगी। इस बीच, इंडस्ट्रियल एंड प्रूडेंशियल इन्वेस्टमेंट कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को कारोबारी सत्र में कमजोर बंद हुए। कंपनी का शेयर 1.35 फीसदी की गिरावट के साथ 6,410 रुपये पर बंद हुआ।

क्रेटा ईवी के लिए आकर्षक बायबैक योजना की घोषणा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त । हुंडई मोटर इंडिया ने अपनी आगामी क्रेटा ईवी के लिए एक आकर्षक बायबैक योजना की घोषणा की है। योजना के तहत ग्राहकों को तीन वर्ष बाद वाहन की शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत का 60 प्रतिशत तक मूल्य वापस मिल सकेगा। हुंडई कंपनी का लक्ष्य इस योजना के तहत ईवी कार खरीदने वाले ग्राहकों की सबसे बड़ी चिंता, यानी भविष्य में मिलने वाले पुनर्विक्रय मूल्य (रीसेल वैल्यू) को दूर करना है, जिससे ईवी खरीदने का निर्णय अधिक आसान हो सके। इस योजना का लाभ उठाने के लिए कुछ आवश्यक शर्तें निर्धारित की गई हैं, जिनमें वाहन की नियमित सर्विस अधिकृत हुंडई सर्विस सेंटर पर कराना, कार का अच्छी स्थिति में होना और तय सीमा से अधिक नहीं चलाया जाना शामिल है। यदि वाहन में किसी प्रकार का बड़ा दुर्घटनाजनित नुकसान, संरचनात्मक परिवर्तन या अनधिकृत संशोधन पाया जाता है.

भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केटकैप 1.43 लाख करोड़ रुपए बढ़ा

मुंबई, यूटर्न/ 09 अगस्त । भारत की शीर्ष 10 में से चार कंपनियों का मार्केटकैप 1.43 लाख करोड़ रुपए बढ़ गया है। इसमें सबसे अधिक फायदा भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को हुआ है। इसकी वजह सबसे बड़े सरकारी बैंक की ओर से वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के अच्छे नतीजे पेश करना था।

हालांकि, शीर्ष 10 में बाकी छह कंपनियों का मार्केटकैप 1.23 लाख करोड़ रुपए कम हुआ। बीते हफ्ते सबसे ज्यादा मार्केटकैप वाली टॉप-10 कंपनियों में एसबीआई का बाजार पूंजीकरण 63,922.03 करोड़ रुपए बढ़कर 10,11,721.84 करोड़ रुपए हो गया है। इस जबरदस्त बढ़ोतरी की वजह से एसबीआई भारत की सबसे अधिक वैल्यू वाली कंपनियों की रैंकिंग में और ऊपर पहुंच गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की मार्केट वैल्यूएशन में 32,816.4 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई, जिससे इसका मार्केटकैप 18,01,925.19 करोड़ रुपए हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की वैल्यूएशन 31,875.35 करोड़ रुपए बढ़कर 8,87,770.13 करोड़ रुपए हो गई। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) का बाजार पूंजीकरण भी 14,637.76 करोड़ रुपर बढ़कर 5,56,482.45 करोड़ रुपए हो गया।

एथर एनर्जी जल्द लॉन्च करेगी नया इलेक्ट्रिक स्कूटर

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त**

दो पहिया वाहन निमार्ता कंपनी एथर एनर्जी जल्द ही 1 लाख से 1.25 लाख रुपये की कीमत वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर सेगमेंट में कदम रखने जा रही है। अगस्त 2026 के अंत तक कंपनी अपने नए ईएल प्लेटफॉर्म पर आधारित स्कूटर को लॉन्च करेगी। कंपनी के सह-संस्थापक तरुण मेहता ने बताया कि एथर की रणनीति ऐसे ग्राहकों तक पहुंच बनाने की है, जो प्रीमियम मॉडल से कम कीमत वाले लेकिन बेहतर फीचर्स वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर चाहते हैं। उन्होंने कहा कि शीर्ष पांच कंपनियों के लिए 1 लाख रुपये से कम कीमत वाले इलेक्ट्रिक स्कूटरों की हिस्सेदारी कुल बाजार का 10 प्रतिशत से भी कम है, जबकि 90 प्रतिशत से अधिक बिक्री इससे ऊपर के मूल्य वर्ग में होती है। तरुण मेहता के अनुसार, वर्ष 2023 में लॉन्च किया गया एथर 450 प्रीमियम श्रेणी में था, जबकि वर्ष 2024 में पेश किया गया रिज्ता मॉडल 1.25 लाख से 1.5 लाख रुपये के बीच रखा गया।

नया ईएल प्लेटफॉर्म कंपनी को अब 1 लाख से 1.25 लाख रुपये के सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देगा। हालांकि कंपनी ने स्पष्ट किया है कि वह फिलहाल 1 लाख रुपये से कम कीमत वाले इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में प्रवेश नहीं करेगी।

एथर का कहना है कि यदि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का लाभ तकनीक आधारित स्टार्टअप कंपनियों को भी समान रूप से मिलता है, तो भविष्य में कम कीमत वाले मॉडल लॉन्च करने पर विचार किया जा सकता है।

जुलाई में यात्री वाहनों की बिक्री में 34 प्रतिशत की बढोत्तरी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त ।**

भारत में बीते जुलाई माह में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में सालाना आधार पर 34 प्रतिशत और खुदरा बिक्री में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यात्री वाहनों की मांग में उपयोगिता वाहनों की जबरदस्त बिक्री का अहम योगदान रहा, साथ ही ग्राहकों की लगातार दिलचस्पी और बेहतर सप्लाई चेन से भी कार निमार्ताओं को फायदा हुआ। एचएसबीसी इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह वृद्धि वैश्विक अस्थिरता और कमोडिटी कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद दर्ज की गई है, जो भारतीय बाजार की अंतर्निहित शक्ति को दशार्ती है। दोपहिया सेगमेंट में, थोक बिक्री में सालाना आधार पर लगभग 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि कुल खुदरा बिक्री 34 प्रतिशत बढ़ी। इसी तरह, वाणिज्यिक गाड़ियों की मांग को मूल उपकरण निमार्ताओं (ओईएम) द्वारा कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा से पहले की गई प्रतिस्थापन खरीदारी से सहारा मिला, जिससे इनकी कुल बिक्री में साल-दर-साल लगभग 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि कमोडिटी की ऊंची कीमतें मुनाफे पर दबाव डाल सकती हैं।

टीवीएस ने 7 महीनों में बेचे 3 लाख से अधिक ईवी स्कूटर

नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त । भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) दोपहिया बाजार में टीवीएस मोटर कंपनी ने एक नया इतिहास रच दिया है। कंपनी वर्ष 2026 के शुरूआती सात महीनों में 3.07 लाख से अधिक ईवी स्कूटरों की बिक्री का रिकार्ड बनाया है। यह सफलता मुख्य रूप से टीवीएस आईक्यूब जैसे लोकप्रिय मॉडलों की मजबूत मांग का परिणाम है। वाहन पोर्टल के खुदरा बिक्री आंकड़ों के अनुसार, 1 जनवरी से 31 जुलाई 2026 के बीच टीवीएस ने कुल 3,07,288 ईवी स्कूटर डिलीवर किए। पिछले कैलेंडर वर्ष 2025 में कंपनी ने पूरे साल में 3,15,082 इकाइयां बेची थीं, लेकिन इस वर्ष सिर्फ सात महीनों में ही वह उस आंकड़े के लगभग 97 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। इस अवधि के दौरान, टीवीएस की औसत बाजार हिस्सेदारी 26 प्रतिशत से अधिक रही, जो जनवरी में लगभग 28 प्रतिशत और जुलाई में 27 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई। कंपनी की बिक्री में सबसे बड़ा योगदान टीवीएस आईक्यूब का रहा है, जो कई बैटरी विकल्पों के साथ उपलब्ध है। इसका शुरूआती मॉडल एक बार चार्ज करने पर 94 किलोमीटर तक की प्रमाणित रेंज देता है, जबकि शीर्ष संस्करण 212 किलोमीटर तक की प्रमाणित रेंज प्रदान करता है।

संक्षिप्त खबरें

महिला से चेन छिनैती की वारदात, फुटेज वायरल

साहिबाबाद, यूटर्न/ 09 अगस्त । राजेंद्र नगर सेक्टर तीन स्थिति सोसायटी में दिन-दहाड़े महिला के गले से चेन खींचने का मामला सामने आया है। वारदात चार अगस्त की बताई जा रही है, लेकिन इसकी सीसीटीवी कैमरा फुटेज आठ अगस्त को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर वायरल हुई। एक्स यूजर प्रकाश सिन्हा ने पोस्ट डालते हुए लिखा कि उनकी पत्नी से सोसायटी के अंदर चेन छिनैती हुई है। उधर, अब तक शालीमार गार्डन थाना पुलिस को घटना की न तो जानकारी है और न ही उनके पास कोई शिकायत पहुंची है। हालांकि अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता। एक्स यूजर प्रकाश सिन्हा अपनी पोस्ट में लिखा कि साहिबाबाद के राजेंद्र नगर इलाके में महिलाएं असुरक्षित हैं। आए दिन अपराधी वारदात को अंजाम दे जाते हैं। उन्होंने लिखा कि चार अगस्त की सुबह करीब 10:45 बजे पत्नी से अपार्टमेंट गेट पर ही चेन स्नेचिंग की वारदात हुई। पोस्ट के साथ उन्होंने तीन सीसीटीवी कैमरा फुटेज भी साझा कीं। पहली फुटेज में एक महिला सोसायटी के बाहर से आती हुई दिखाई दी है। इसमें सोसायटी गेट पर एक युवक टहलता दिखाई दे रहा है। वहीं, दूसरी वीडियो में आरोपी महिला के पीछे-पीछे सोसायटी के अंदर दाखिल होता दिखाई दे रहा है।

इन्वर्टर में शॉर्ट-सर्किट से लगी आग, सिलिंडर फटने से बचे

साहिबाबाद, यूटर्न/ 09 अगस्त । थानाक्षेत्र के शहीद नगर स्थित वार्ड 90 निवासी हरिराम यादव के मकान में शनिवार दोपहर करीब दो बजे अचानक आग लग गई। स्थानीय लोगों की मदद से घर में रखे करीब 4-5 एलपीजी गैस सिलिंडर बाहर निकालकर बड़ी घटना को बचा लिया गया। वहीं, दमकल की टीम पर करीब 20-25 मिनट की देरी से आने और उसके बाद भी गाड़ी बंद होने का आरोप है। हादसे में घर का सारा सामान जलकर राख हो गया। आसपड़ोस के लोगों ने घरों के पंपसैट चलाकर किसी तरह आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार हरिराम यादव दो मंजिला मकान में रहते हैं। वह दूसरी जगह पर सिलिंडर बिक्री का भी काम करते हैं। शनिवार दोपहर मकान के भूतल पर लगे इन्वर्टर-बैटरी में अचानक शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने भूतल पर रखे सारे समान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के समय घर में हरिराम की बुजुर्ग मां थीं जिन्हें लोगों ने बाहर निकालकर बचा लिया। स्थानीय निवासी अमित ने बताया कि घर से धुआं निकलता देख आस-पड़ोस के लोग एकत्र हो गए। मौके से लोगों ने दमकल को सूचना दी, लेकिन वह समय से नहीं पहुंची। इस दौरान पड़ोसियों ने अपने घरों के पंपसैट चलाकर किसी तरह आग बुझाई।

अब तीन घंटे नहीं 24 घंटे हॉट स्पॉट पर तैनात रहेगी पुलिस

» इंदिरापुरम, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

ट्रांस हिंडन जोन के इंदिरापुरम सर्किल में मोबाइल और चेन छिनैती की वारदात रोकने के लिए अब सुबह-शाम नहीं बल्कि पूरे दिन पुलिस हॉट स्पॉट पर तैनात रहेगी। कांवड़ यात्रा के बाद नई व्यवस्था को लागू किया जाएगा। सभी हॉट-स्पॉट पर ड्यूटी लगाई जाएगी और बैरिकेडिंग कर चेकिंग भी होगी। वारदात पर इसका असर पड़ता है तो इस व्यवस्था को बाकी थानाक्षेत्रों में भी लागू किया जाएगा।

चोरी और छिनैती की वारदात थमने का नाम नहीं ले रही हैं। यह हालात तब हैं जब छिनैती के अनगिनत मामलों में पुलिस एनकाउंटर तक कर चुकी है। सात माह के भीतर ट्रांस हिंडन जोन में करीब तीन दर्जन से भी अधिक छिनैती की वारदात सामने आ चुकी हैं। हालांकि पुलिस ने इन वारदातों में शामिल 15 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। बावजूद वारदात रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। पुलिस के लिए चुनौती बन रहे बदमाशों को रोकने के लिए सुरक्षा का एक प्लान तैयार किया गया है। वर्ष 2025 में तत्कालीन डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील और उनके बाद वर्तमान में प्रभारी डीसीपी धवल

जयसवाल ने गूगल मैपिंग के जरिये छिनैती के हॉट-स्पॉट चिह्नित किए थे। यहां सुबह पांच बजे से सात बजे और शाम छह बजे से रात 10 बजे तक बैरिकेडिंग कर चेकिंग की व्यवस्था बनाई। अब इसकी जगह इन स्थानों पर 24 घंटे पुलिस की तैनाती रहेगी। थानों में मौजूद अतिरिक्त स्टाफ की ड्यूटी लगाई जाएगी। साथ ही बैरिकेड्स लगाकर वाहनों को भी जांच करने के बाद जाने दिया जाएगा। हालांकि इसका भी ध्यान रखा जाएगा कि यातायात व्यवस्था भी सुचारू रहे।

कपड़ा फैक्टरी की दीवार तोड़कर हजारों का माल चोरी

साहिबाबाद, यूटर्न/ 09 अगस्त । लिंकरोड थानाक्षेत्र के औद्योगिक क्षेत्र साइट चार स्थित कपड़ा फैक्टरी की दीवार तोड़कर हजारों का माल चोरी कर लिया। बताया जा रहा है कि चोर करीब 15 कॉटन कपड़े के रोल और कॉफी मशीन चोरी कर ले गए। वारदात सात अगस्त की देर रात हुई और आठ अगस्त की सुबह पता चला। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। औद्योगिक क्षेत्र निवासी जितेंद्र चौधरी ने बताया कि उनके पड़ोस में दिल्ली के कृष्णा नगर निवासी विनोद जैन की कपड़ा फैक्टरी है। कुछ समय पहले ही सुरक्षा के लिहाज से विनोद जैन ने फैक्टरी के चारों तरफ दीवार खड़ी करवाई थी। बताया कि फैक्टरी में सुरक्षाकर्मी भी तैनात हैं और श्रमिक भी रहते हैं। चोरों ने वारदात के लिए फैक्टरी की पिछली दीवार को तोड़ा। करीब 10-15 कॉटन कपड़े के रोल और कॉफी मशीन आरोपी चुरा ले गए। शनिवार सुबह विनोद जैन ने उन्हें कॉल करके इसकी सूचना दी। बताया कि पहले भी करीब तीन-चार बार इस फैक्टरी में चोर घुस चुके हैं। हर बार पुलिस से शिकायत की है। वहीं कुछ दिन पहले ही लिंकरोड औद्योगिक क्षेत्र साइट चार में कई ट्रकों से चोरों ने ईसीएम उपकरण चोरी कर लिए थे।

दिल्ली में बारिश का कहर, नाले में बहा युवक, 24 घंटे बाद मिला शव

» दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

दिल्ली में शनिवार को झमाझम बारिश के बीच सरिता विहार में बड़ा हादसा हो गया। मदनपुर खादर के प्रियंका कैंप में शुक्रवार शाम ओवरफ्लो नाले की पुलिया से फिसलकर तेज बहाव में बहे 18 वर्षीय युवक अंकित का शव 24 घंटे बाद शनिवार को नाले से कुछ दूरी पर नहर में मिला। बारिश के कारण नाले में पानी का बहाव तेज था। हादसे के बाद पुलिस, दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए), दिल्ली फायर सर्विस और गोताखोरों की टीम ने लगातार तलाश अभियान चलाया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एम्स में रखवा दिया है।

दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी के मुताबिक, भीम कॉलोनी निवासी अंकित नोएडा सेक्टर-62 में काम करता था। शुक्रवार रात वह दोस्त मनीष के साथ घर लौट रहा था। पुलिया से पैदल गुजरते समय पैर फिसलने से वह ओवरफ्लो नाले में जा गिरा और तेज बहाव में बह गया। घटनास्थल के पास उसका बैग मिला था। तेज बहाव के कारण गोताखोरों को नाले में उतरकर तलाश करने में काफी परेशानी हुई। पुलिस के अनुसार, जिस पुलिया के पास हादसा हुआ वहां से स्थानीय लोग पैदल

आते-जाते हैं, लेकिन किनारे बने सीमेंटेड रास्ते पर बैरिकेडिंग या बाउंड्री नहीं है। ऐसे में यह रास्ता बेहद खतरनाक बना हुआ है।

'थोड़ी देर में घर आऊंगा'... फिर आया दोस्त का फोन

अंकित के पिता सुनील कुमार ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 7.30 बजे उन्होंने बेटे को फोन किया था। अंकित ने कहा था कि वह रास्ते में है और थोड़ी देर में घर पहुंच जाएगा। कुछ देर बाद दोस्त मनीष ने फोन कर बताया कि अंकित नाले में बह गया है। परिवार ने भी आसपास तलाश की। पिता ने कहा कि उनकी कोशिश थी कि किसी तरह बेटे का शव मिल जाए, ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके।

लगातार बारिश से सदर बाजार की संकरी गलियों में घुटनों तक पानी भर गया। गंदे पानी और तैरते कचरे के बीच लोगों, बच्चों और खरीदारों को गुजरना पड़ा। कई दुकानों में पानी घुस गया। सड़कों पर जलभराव के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी रही। आईएमडी के अनुसार, 7 अगस्त सुबह 8.30 बजे से 8 अगस्त शाम 5.30 बजे तक सफदरजंग में 103.3 मिमी बारिश हुई। पुष्प विहार में सबसे ज्यादा 230.5 मिमी बारिश दर्ज की गई।

अगस्त की औसत बारिश के करीब पहुंची राजधानी

सफदरजंग में शनिवार सुबह 8.30 बजे तक 98.7 मिमी बारिश दर्ज हुई, जो अगस्त में पिछले दो वर्षों में एक दिन की सर्वाधिक बारिश है।

महीने के शुरूआती आठ दिनों में यहां 225.7 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि अगस्त की दीर्घकालिक औसत 233.1 मिमी है। इस अवधि में सामान्य बारिश करीब 60 मिमी रहती है, यानी बारिश सामान्य से 214 प्रतिशत अधिक है। बारिश से कालिंदी कुंज बॉर्डर, आईटीओ, प्रेस एन्क्लेव मार्ग, गीतांजलि मार्ग और महरौली-बदरपुर रोड पर भारी जाम रहा। पूर्वी दिल्ली और जीटी रोड के कई हिस्से भी प्रभावित हुए।

बुजुर्ग महिला से टप्पेबाजी का आरोपी दंपती गिरफ्तार

» साहिबाबाद, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

मोहन नगर स्थित राजेंद्र नगर औद्योगिक क्षेत्र के इंदिरा गार्डन निवासी बुजुर्ग गुड्डी देवी से टप्पेबाजी करने वाले बंटी-बबली (दंपती) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी दिल्ली के सुल्तानपुरी निवासी प्रवीण उर्फ भाऊ और उसकी पत्नी तुलसी ने टप्पेबाजी की वारदात स्वीकार की है। साथ ही बुजुर्ग महिला का मंगलसूत्र दिल्ली में एक सराफ को बेचने की बात भी मानी है। दोनों को कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया है। वहीं, सराफ की तलाश में पुलिस दिल्ली गई है।

एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि 29 जुलाई की शाम करीब छह बजे बुजुर्ग गुड्डी देवी को दो लोगों ने बातों में उलझाकर नोटों की गड्डी से भरा थैला दिखाया। झांसे में लेकर दोनों ने उनके कुंडल और मंगलसूत्र उतरवाकर भाग गए। महिला के बेटे पंकज कुमार की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज करके शनिवार को अर्थला स्थित डबास चौक के पास किराये पर रहने वाले प्रवीण और उसकी पत्नी तुलसी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि बुजुर्ग महिला का मंगलसूत्र 10 हजार रुपये में दिल्ली सराफ को बेचा था। कुंडल आदि राह चलते लोगों को बेच दिए। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह तीन वर्षों से दिल्ली-एनसीआर में टप्पेबाजी की वारदात अंजाम दे रहे थे। बुजुर्ग महिलाएं उनकी सबसे आसान टार्गेट रहती थीं। एसीपी ने बताया कि छानबीन में पता चला कि दंपती का छोटा बेटा भी है, उसे फिलहाल रिश्तेदारों को सौंपा गया है। दिल्ली के सराफ की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

कांवड़ मार्गों पर अब जमीन के साथ आसमान से भी निगरानी, टिथर्ड ड्रोन तैनात

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 09 अगस्त

कांवड़ यात्रा के अंतिम चरण में पुलिस व जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। कांवड़ियों की बढ़ती भीड़ के बीच कांवड़ मार्गों की निगरानी जमीन के साथ आसमान से भी की जा रही है। गाजियाबाद-मेरठ रोड, पाइपलाइन मार्ग और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे समेत प्रमुख कांवड़ मार्गों पर पुलिस, पीएसी और क्यूआरटी के साथ अब 24 घंटे टिथर्ड ड्रोन भी तैनात हैं। इसके साथ ही कांवड़ मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों को कांवड़ मॉनीटरिंग सेल से जोड़ा गया है।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था राजकरन नय्यर ने बताया कि टिथर्ड ड्रोन बिजली और बैटरी दोनों से

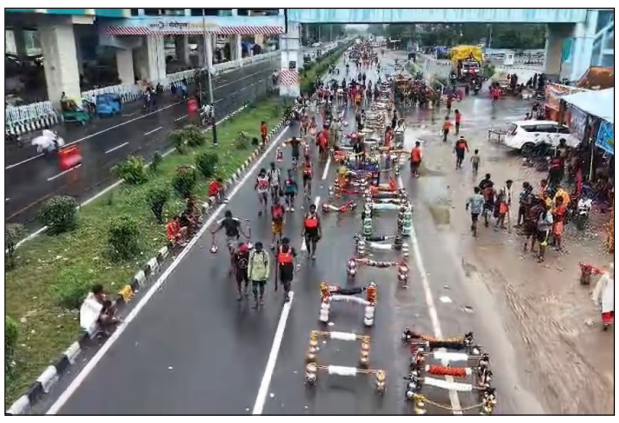

संचालित होता है और लंबे समय तक हवा में रहकर निगरानी कर सकता है। इसकी मदद से करीब एक किलोमीटर के दायरे में लगातार फोटो और वीडियो लिए जा सकते हैं। दो दिन पहले गंगनहर पटरी से इसकी शुरूआत की गई थी। अब तीनों प्रमुख कांवड़ मार्गों पर इनकी तैनाती कर दी गई है।

उन्होंने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जिले को 14 सेक्टर और 250 सब सेक्टर में विभाजित किया गया है। कांवड़ मॉनीटरिंग सेल से जुड़े सीसीटीवी कैमरों के जरिये भीड़, यातायात और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

चिकित्सा शिविर, एंबुलेंस और आपातकालीन सेवाओं के साथ 24 घंटे भ्रमण करने वाली 40 क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) भी तैनात की गई हैं। 550 से अधिक ट्रैफिक वालंटियर भी धरातल पर मोर्चा संभाल रहे हैं। प्रशिक्षित वालंटियर कांवड़ मार्गों पर यातायात संचालन में सहयोग करने के साथ श्रद्धालुओं को जरूरी जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं।

भोलों के वेश में भी मौजूद रहेंगे पुलिसकर्मी

कांवड़ मार्गों, प्रमुख चौराहों और दूधेश्वरनाथ मंदिर में सादे वेश में भी पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

कांवड़िये को टक्कर मारने वाला डंपर चालक गिरफ्तार

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 09 अगस्त । राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) नौ पर तीन अगस्त की देर रात कांवड़ लेने जा रहे नोएडा सेक्टर-44 निवासी दीपांशु को डंपर से टक्कर मारने वाले आरोपी चालक को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी मध्य प्रदेश के नुहू जिला स्थित रेथौरा निवासी बरकत है। जमानती अपराध होने की वजह से आरोपी को नोटिस देकर छोड़ दिया गया। वहीं, सीसीटीवी कैमरा फुटेज से रोडवेज बस की टक्कर लगना अभी तक पुष्ट नहीं हुआ है।

तीन अगस्त की रात दीपांशु अपने दोस्त के साथ बाइक पर हरिद्वार कांवड़ लाने के लिए निकला था। एनएच-9 पर छिजारसी कट के पास एक तेज रफ्तार डंपर उसे कुचलता हुआ निकल गया। दीपांशु की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे के बाद बड़ी संख्या में कांवड़ियों ने एनएच नौ पर जाम लगा दिया। पुलिस पर देरी से आने का आरोप भी लगा और जमकर हंगामा हुआ। आरोप था कि पहले एक रोडवेज बस ने दीपांशु की बाइक में टक्कर मारी और हाइवे पर गिरते ही पीछे से आ रहे डंपर ने उसे कुचल दिया। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से रोडवेज बस के टक्कर मारने की बात पुष्ट नहीं हुई है। डंपर का नंबर ट्रेस कर उसके मालिक से संपर्क किया गया। इसके बाद हादसे के समय उसे चला रहे बरकत को पुलिस ने पकड़ लिया। वहीं, पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि जिस रात दीपांशु की मौत हुई उस दिन उसका जन्मदिन था। दीपांशु के परिवार में एक भाई-बहन, माता-पिता हैं।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

रकुल प्रीत सिंह ने

साझा किया पति जैकी भगनानी के साथ काम करने का खास अनुभव

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह और निमार्ता-अभिनेता जैकी भगनानी की जोड़ी ने अपने रिश्ते को हमेशा निजी रखा है, लेकिन समय-समय पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी जिंदगी से जुड़ी खूबसूरत झलकियां भी साझा करते रहते हैं। हाल ही में रकुल ने जैकी के साथ अपने काम और निजी रिश्ते को लेकर एक खास बात साझा की, जिसमें उन्होंने बताया कि पति के साथ काम करना उनके लिए कितना खास और मजेदार अनुभव है।

रकुल प्रीत सिंह ने इंस्टाग्राम पर जैकी भगनानी के साथ कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें दोनों के बीच की खास बॉन्डिंग साफ नजर आ रही है। इस पोस्ट में रकुल ने फैंस द्वारा अक्सर पूछे जाने वाले उस सवाल का जवाब दिया कि पति के साथ काम करना कैसा होता है। रकुल ने अपने कैप्शन में लिखा, जब लोग मुझसे पूछते हैं कि साथ काम करने का अनुभव कैसा है, तो इसका जवाब बहुत आसान है। हम दोनों का आधा समय काम को लेकर बातचीत करने में और बाकी समय हंसी-मजाक करने और खाने की चर्चा करने में बीतता है। मुझे यह अच्छा लगता है, क्योंकि हमारी सोच और तालमेल एक जैसी है। जब दो लोग किसी काम को लेकर एक जैसी एनर्जी और उत्साह रखते हैं, तो साथ मिलकर कुछ नया बनाना और भी खास हो जाता है।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, साथ मिलकर जिंदगी बनाना अपने आप में एक अलग अनुभव है, लेकिन जब आप दोनों मिलकर ऐसी चीज बनाने की कोशिश करते हैं, जिसे लेकर दोनों उत्साहित हों, तो वह सफर और भी खास बन जाता है। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने साल 2021 में अपने रिश्ते का खुलासा किया था। इसके बाद दोनों ने फरवरी 2024 में गोवा में शादी की थी, जिसमें परिवार के करीबी लोग और खास दोस्त शामिल हुए थे। शादी के बाद भी दोनों अपने-अपने काम में सक्रिय हैं और अक्सर एक-दूसरे को सहयोग करते नजर आते हैं, जो उनके रिश्ते की मजबूती को दशार्ता है। उनका यह साझा अनुभव कई कपल्स के लिए प्रेरणा बन सकता है।

बर्खा सिंह ने मनाया अपना जन्मदिन

अभिनेत्री बर्खा सिंह ने हाल ही में अपना जन्मदिन अमेजन प्राइम वीडियो के आगामी रियलिटी शो वी गॉट यू गर्ल की शूटिंग करते हुए मनाया। जहाँ ज्यादातर लोगों के लिए जन्मदिन का मतलब जश्न और छुट्टी होता है, वहीं बर्खा के लिए यह लाइट्स, कैमरा और एक्शन का दिन था। क्रिमिनल जस्टिस 4 और द साबरमती रिपोर्ट में अपनी दमदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीतने के बाद, बर्खा ने अपना खास दिन वहीं बिताने का फैसला किया जहाँ उन्हें सबसे ज्यादा सुकून मिलता है - यानी शूटिंग सेट पर। इस महीने रिलीज होने जा रहा यह बहुप्रतीक्षित शो बर्खा के लगातार बढ़ते करियर में एक और बड़ी उपलब्धि साबित होने वाला है, जो डिजिटल दुनिया की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में अपनी पहचान बना चुकी बर्खा को मनोरंजन की एक बिल्कुल नई दुनिया में कदम रखने में मदद करेगा। वी गॉट यू गर्ल के जरिए बर्खा एक बार फिर कुछ नया और अलग करने जा रही हैं। हालांकि शो से जुड़ी ज्यादातर जानकारियां अभी भी राज रखी गई हैं, लेकिन इसके फ्रेश और हाई-एनर्जी फॉर्मेट से दर्शकों को अंत तक बांधे रखने की उम्मीद है।

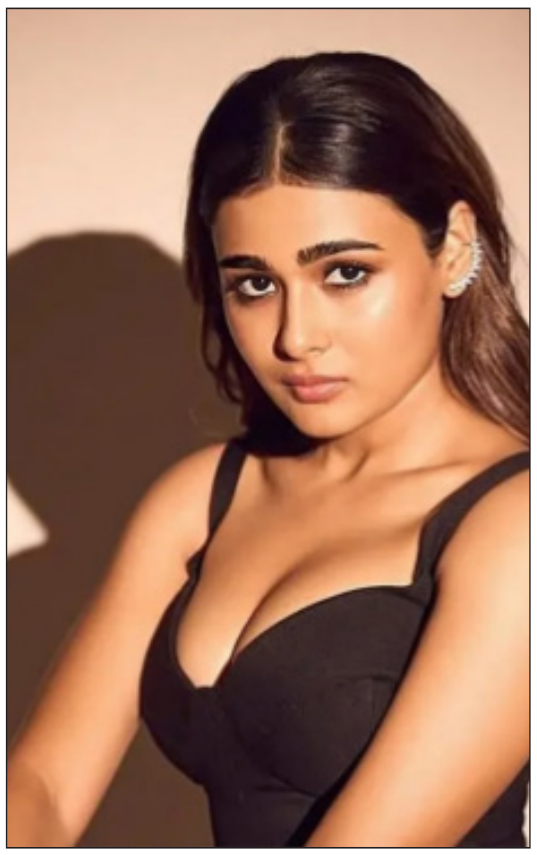

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कर कोच बनना चाहते है अजिंक्य रहाणे

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। इस घोषणा के साथ ही उन्होंने अपनी भविष्य की योजनाओं का भी खुलासा किया है, जिसमें दुनिया भर की टी20 लीग्स में खेलना और एक कुशल कोच के रूप में अपनी दूसरी पारी शुरू करना शामिल है। रहाणे ने स्पष्ट किया कि वह अपने क्रिकेट अनुभव को किसी एक दायरे तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर साझा करना चाहते हैं।

संन्यास के तुरंत बाद, रहाणे यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में एम्सटर्डम फ्लेम्स टीम का हिस्सा बन गए हैं। ईटीपीएल में अपनी शुरूआत से पहले उन्होंने कहा, एक क्रिकेटर के तौर पर मेरी जिम्मेदारी है कि मैं बड़े स्तर पर सोचूं। मैं अपने अनुभव को किसी छोटे दायरे तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसे वैश्विक स्तर पर साझा करना चाहता हूं। उन्होंने आगे कहा कि वह कोई सीमा तय नहीं करना चाहते कि उन्हें केवल यही या वही लीग खेलनी है; उनका मानना है कि दुनिया भर की लीग्स में खेलते हुए उन्हें अपना अनुभव और जानकारी वैश्विक स्तर पर बांटनी चाहिए।

टी20 लीग्स में अपने भविष्य के अलावा, रहाणे ने कोचिंग में अपने करियर को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने दृढ़ता से कहा, मुझे लगता है कि खेलने के अलावा मैं एक मेंटर और कोच के रूप में भी बहुत बेहतरीन साबित होऊंगा, क्योंकि मैं खिलाड़ियों की मानसिकता को समझता हूं। मैं उन्हें बहुत अच्छे से समझता हूं, क्योंकि एक खिलाड़ी के रूप में मैं हर स्थिति और हर संभव परिस्थिति से गुजरा हूं और वह अनुभव आपकी बहुत मदद करता है। रहाणे के अनुसार, कोचिंग एक तरीके से मैन-मैनेजमेंट और मेंटरशिप का खेल है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान क्रिकेट खेलने पर है और खेल के प्रति उनका जुनून बरकरार है। हालांकि, उनका मानना है कि एक बार जब वह खेलना बंद कर देंगे, तो वह एक कोच और मेंटर के रूप में खेल को वापस देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, क्योंकि उनके पास खेल के हर पहलू का गहरा अनुभव है। उनका यह बयान उनके क्रिकेट के प्रति समर्पण और भविष्य में युवा प्रतिभाओं को तराशने की उनकी इच्छा को दशार्ता है।

खेलो इंडिया: पैरा-खेलों के लिए क्रांति का मार्ग प्रशस्त कर सकता हैं : शीतल देवी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

पैरालंपिक पदक विजेता और विश्व चैंपियन पैरा-कंपाउंड तीरंदाज शीतल देवी का मानना है कि 'खेलो इंडिया' योजना पैरा-स्पोर्ट्स के लिए एक बड़ा गेम-चेंजर साबित हो सकती है। जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ जैसे दूर-दराज के गांव से निकलकर विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाली शीतल देवी कहती हैं कि पैरा-एथलीटों के लिए सबसे बड़ी चुनौती प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि अवसरों का अभाव है। उन्होंने कहा कि कई गांवों में प्रतिभाशाली दिव्यांग बच्चे हैं जो खेलो इंडिया जैसे कार्यक्रमों के बिना कभी यह जान भी नहीं पाते कि पैरा स्पोर्ट्स मौजूद हैं या उन्हें कहां प्रशिक्षण मिल सकता है।

शीतल देवी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 29,054 करोड़ रुपये की पांच साल की यह योजना खेल के परिदृश्य को पूरी तरह बदल सकती है। इस योजना के नौ मुख्य स्तंभों में प्रतिभाओं की पहचान, कोच और सहायक स्टाफ का विकास, खेल सुविधाओं में सुधार और उच्च-प्रदर्शन प्रशिक्षण का माहौल तैयार करना शामिल है। उनका मानना है कि इसका सबसे बड़ा असर तब दिखेगा जब राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इसे सक्रियता और निष्ठा के साथ लागू करेंगे। यह केंद्र और राज्यों के बीच का सहयोग ही इस महत्वाकांक्षी योजना को ठोस नतीजों में बदल सकता है। पूरे भारत में, खासकर गांवों और छोटे शहरों में, हजारों दिव्यांग बच्चे हैं जिनमें बहुत क्षमता है, लेकिन कई प्रतिभाओं को कभी खोजा नहीं जा सका। कुछ को नहीं पता कि कहां ट्रेनिंग करनी है। कईयों को कभी ऐसा कोच नहीं मिला जो पैरा स्पोर्ट को समझता हो। शीतल देवी ने इस बात पर जोर दिया कि पैरा-एथलीटों के लिए शुरूआती पहचान और लगातार समर्थन महत्वपूर्ण है।

शालिनी पांडे ने उठाई आवाज

अभिनेत्री शालिनी पांडे ने मुंबई के रेलवे स्टेशनों से आवारा कुत्तों को हटाने के कथित अभियान के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की है। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए लोगों से इस संवेदनशील मुद्दे पर आगे आने और संबंधित याचिका का समर्थन करने का आग्रह किया है। अपनी पोस्ट में अभिनेत्री ने बताया कि सैकड़ों कुत्ते वर्षों से रेलवे स्टेशनों के आसपास इंसानों के साथ शांतिपूर्वक रहते आ रहे हैं और अब उनके बसेरे छिनने का खतरा मंडरा रहा है। शालिनी ने इस स्थिति को जानवरों के प्रति क्रूरता बताते हुए लोगों से याचिका पर हस्ताक्षर करने और इन बेजुबान जीवों के समर्थन में आवाज उठाने की अपील की है। शालिनी पांडे ने एक पशु कल्याण पहल से जुड़े संगठन को टैग करते हुए लोगों को याचिका तक पहुँचने का रास्ता भी बताया, ताकि अधिक से अधिक लोग इस नेक पहल से जुड़ सकें। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग इस मुद्दे को व्यापक दर्शकों तक पहुंचाने और पशु कल्याण को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए किया है। शालिनी पांडे का यह कदम शहरी क्षेत्रों में इंसानों और जानवरों के सह-अस्तित्व की जिम्मेदारी और संवेदनशीलता की मिसाल पेश करता है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

भारतीय मूल की महिला पर वीजा फ्रॉड के आरोप से विवाद

अमेरिकी वकील ने दावे को बताया गलत

» वॉशिंगटन, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

अमेरिका में रहने वाली भारतीय मूल की बायोमेडिकल इंजीनियर साधना गुल्लापुडी को लेकर सोशल मीडिया पर वीजा फ्रॉड के आरोप लगाए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। एक सोशल मीडिया अकाउंट ने दावा किया कि साधना 2014 से स्टूडेंट वीजा पर अमेरिका में रह रही हैं और इस दौरान वीजा नियमों का उल्लंघन करते हुए काम भी कर रही हैं। हालांकि, 'स्टन के एक वकील ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि साधना स्टूडेंट वीजा पर नहीं हैं और वह अमेरिकी नागरिक हैं।

साधना टेक्सास के 'स्टन में रहती हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया गया कि वह लंबे समय से एफ-1 स्टूडेंट वीजा का इस्तेमाल कर रही हैं और अलग-अलग शैक्षणिक कार्यक्रमों में दाखिला लेकर अमेरिका में रह रही हैं। पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि वह डांसर और कैश ट्यूटर के तौर पर काम करती हैं, जो वीजा नियमों के खिलाफ है। उनके कुचिपुड़ी

डांस से जुड़ा एक वीडियो भी पोस्ट के साथ साझा किया गया। मामला वायरल होने के बाद 'स्टन के वकील आरोन रिट्ज ने हस्तक्षेप किया।

उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने मामले को देखा है और साधना स्टूडेंट वीजा पर नहीं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वीजा धोखाधड़ी को गंभीरता से लिया जाता है, लेकिन बिना किसी अवैध गतिविधि के अमेरिका में रहने वाले लोगों का स्वागत किया जाता है।

साधना ने भी सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि उनके बारे में झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाई जा रही है। उनका आरोप है कि उनके कंटेंट को बिना अनुमति दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा किया गया और उसके साथ गलत दावे जोड़े गए। उन्होंने लोगों से ऐसी पोस्ट दिखाई देने पर गलत सूचना और बिना अनुमति कंटेंट के इस्तेमाल की शिकायत करने की अपील की। इस विवाद के बीच आरोप लगाने वाले सोशल मीडिया अकाउंट की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठे हैं। अकाउंट की प्रोफाइल में खुद को पाकिस्तानी अभिनेता का फैन अकाउंट बताया गया है।

विवाद बढ़ने के बाद कुछ समय के लिए प्रोफाइल को निजी भी किया गया। कुछ यूजर्स ने इस अकाउंट पर भारत विरोधी सामग्री साझा करने का आरोप लगाया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

फिलहाल उपलब्ध जानकारी के आधार पर साधना के खिलाफ वीजा नियमों के उल्लंघन या धोखाधड़ी का कोई आधिकारिक मामला सामने नहीं आया है। मामले में सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों और आधिकारिक तौर पर सामने आए तथ्यों के बीच अंतर बना हुआ है।

हसीना के दिसंबर प्लान से घबराई तारिक सरकार! बनाने लगे पार्टी छीनने का प्लान?

ढाका, यूटर्न/ 09 अगस्त । बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में दिए बयान के बाद देश की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। हसीना ने दिसंबर में बांग्लादेश लौटने का इरादा जताया है। इसके बाद सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सांसद नासिरउद्दीन चौधरी ने प्रतिबंधित अवामी लीग को सहयोगी बताते हुए दोनों दलों के विलय की वकालत की। हालांकि, उनका बयान पार्टी और सरकार के मौजूदा रुख से अलग है। 5 अगस्त को दिल्ली में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में हसीना ने 2024 के छात्र आंदोलन के बाद सत्ता से बेदखल होने और भारत में रहने के करीब दो साल बाद पहली बार सार्वजनिक संबोधन किया। उन्होंने कहा कि उनका दिसंबर में बांग्लादेश लौटने का इरादा है। यह समय 1971 के मुक्ति संग्राम की वर्षगांठ के आसपास होगा। इसके एक दिन बाद बीएनपी सांसद नासिरउद्दीन चौधरी ने सुनामगंज-2 क्षेत्र में एक सभा के दौरान कहा कि अवामी लीग उनकी पार्टी की दुश्मन नहीं, बल्कि सहयोगी है। उन्होंने कहा कि दोनों दलों ने अतीत में मुक्ति संग्राम में साथ भूमिका निभाई थी और अवामी लीग के बीएनपी में विलय की संभावना जताई। हालांकि, पार्टी स्तर पर इस प्रस्ताव को समर्थन मिलने के संकेत नहीं हैं।

संक्षिप्त खबरें

पाकिस्तान की आईएसआई को बांग्लादेश में मिली हुई है खुली छूट

इस्लामाबाद, यूटर्न/ 09 अगस्त । पाकिस्तान की सरकार ने बांग्लादेश में आईएसआई के प्रभाव की बात को नकार दिया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि शेख हसीना और उनके बेटे भारत के संपर्क में है, इसलिए भारत जैसे आरोप उनके देश की एजेंसी पर लगा रहे हैं। इसमें हकीकत में कोई सच्चाई नहीं है। दरअसल 5 अगस्त को दिल्ली से शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में ढाका में आईएसआई के प्रभाव का मुद्दा उठा था, जिस पर इस्लामाबाद से यह प्रतिक्रिया सामने आई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से सवाल किया कि शेख हसीना के बेटे साजिब वाजेद ने ढाका में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के दखल का आरोप लगाया है। इस पर ताहिर ने कहा कि बांग्लादेश की राजनीतिक पार्टियों के आपसी आरोपों से पाकिस्तान को कोई मतलब नहीं है। हम उनके अंदरुनी मामले में दखल नहीं देंगे। जहां तक शेख हसीना या उनके बेटे की बात है तो भारत से नजदीकी की वजह से वह ऐसी बात कर रहे हैं। शेख हसीना के अमेरिका में रहने वाले बेटे साजिब ने 5 अगस्त को वर्चुअल प्रेसमीट में हिस्सा लिया।

अमेरिकी स्कूल में धातु और कांच की पानी की बोतलों पर प्रतिबंध

न्यूयॉर्क, यूटर्न/ 09 अगस्त । अमेरिका के हार्डिन काउंटी स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र से स्कूल परिसर और स्कूल बसों में छात्रों को धातु (स्टील या एल्यूमीनियम) और कांच की पानी की बोतलें लाने की अनुमति नहीं होगी। अब केवल प्लास्टिक की पानी की बोतलें ही परिसर में ले जाई जा सकेंगी। अमेरिका के केंटकी राज्य में स्थित हार्डिन काउंटी स्कूल प्रशासन ने यह फैसला छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। यह निर्णय गत कुछ वर्षों में सामने आई कई ऐसी घटनाओं के मद्देनजर लिया गया है, जहां छात्रों ने भारी स्टील की पानी की बोतलों का इस्तेमाल दूसरे छात्रों पर हमला करने के लिए किया। इन हिंसक घटनाओं के परिणामस्वरूप बच्चों के सिर, चेहरे और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। कई छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा और कुछ को सिर में गंभीर चोट (कंकशन) भी झेलनी पड़ी। अधिकारियों के अनुसार, जब स्टील की बोतल पूरी तरह पानी से भरी होती है, तो उसका वजन इतना अधिक हो जाता है कि वह किसी कठोर वस्तु की तरह गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है।

दक्षिण कोरिया में भीषण गर्मी का असर बिजली की मांग साल के उच्चतम स्तर पर

» सोल, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

दक्षिण कोरिया में जारी भीषण गर्मी के बीच बिजली की मांग इस साल के अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई है। कोरिया पावर एक्सचेंज (केपीएक्स) के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को देश में अधिकतम बिजली मांग 95.321 गीगावाट दर्ज की गई। उस समय बिजली रिजर्व क्षमता करीब 8.2 गीगावाट थी।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, बिजली की मांग में यह उछाल लंबे समय से जारी गर्मी के कारण आया है। सरकार का अनुमान है कि अगले सप्ताह भी तापमान ऊंचा रहने के कारण बिजली की खपत बढ़ सकती है। इसके अलावा गर्मी की छुट्टियों के बाद औद्योगिक गतिविधियां तेज होने से भी मांग में इजाफा होने की संभावना है।

दक्षिण कोरियाई ऊर्जा मंत्रालय ने संभावित दबाव से निपटने के लिए बिजली आपूर्ति क्षमता पिछले साल की तुलना में 2 गीगावाट बढ़ाकर 107 गीगावाट कर दी है। इसके अलावा किसी अप्रत्याशित कमी की स्थिति से निपटने के लिए 8.8 गीगावाट अतिरिक्त रिजर्व की भी व्यवस्था की गई है।

केपीएक्स के मुताबिक फिलहाल परमाणु और सौर ऊर्जा उत्पादन में कोई बड़ी बाधा नहीं है और बिजली की आपूर्ति तथा मांग को स्थिर रूप से संभाला जा रहा है। हालांकि, लगातार गर्म मौसम के कारण आने वाले दिनों में बिजली व्यवस्था पर दबाव बने रहने की आशंका है। हालांकि मौसम में हल्के बदलाव के बीच सरकार ने अत्यधिक गर्मी संबंधी चेतावनी हटा दी है। इसे हटाए जाने के बावजूद बाहर काम करने वाले कर्मियों और मवेशियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने की अपील की है।

रविवार को संबंधित मंत्रालयों और क्षेत्रीय अधिकारियों की एक मीटिंग में, 'सेंट्रल डिजास्टर एंड सेफ्टी काउंटरमेजर्स हेडक्वार्टर' ने बहुत ज्यादा गर्मी से निपटने के लिए इमरजेंसी प्रोटोकॉल का रिव्यू किया। हेडक्वार्टर ने सभी इंटरएजेंसी रिस्पॉन्स यूनिट्स से प्रवासी कामगारों और बुजुर्ग किसानों की सुरक्षा पर ध्यान देने की अपील की।

> केपीएक्स के मुताबिक फिलहाल परमाणु और सौर ऊर्जा उत्पादन में कोई बड़ी बाधा नहीं है और बिजली की आपूर्ति तथा मांग को स्थिर रूप से संभाला जा रहा है। हालांकि, लगातार गर्म मौसम के कारण आने वाले दिनों में बिजली व्यवस्था पर दबाव बने रहने की आशंका है।

ईरान लड़ने को तैयार, लेकिन जंग से भाग रहा अमेरिका

तेहरान, यूटर्न/ 09 अगस्त । ईरान-अमेरिका संघर्ष को करीब छह महीने पूरे होने वाले हैं। इस दौरान दोनों देशों की शीर्ष नेतृत्व लगातार सार्वजनिक एकजुटता का दावा करता रहा है, लेकिन अब अंदरूनी बेचैनी के संकेत सामने आने लगे हैं। हाल की रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि अमेरिका और ईरान, दोनों ही लंबे खिंचते संघर्ष और उसके बढ़ते जोखिमों से दबाव में हैं। ईरान बार-बार अमेरिका से कह रहा है आईए जंग लड़िए। पर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी इज्जत बचाते फिर रहे हैं। अमेरिका में ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल डैन केन ने ट्रंप प्रशासन को संकेत दिया है कि केवल हवाई हमलों के जरिए ईरान को झुकाना मुश्किल है। बताया जा रहा है कि वह सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ, विदेश मंत्री मार्को रुबियो और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ लगातार बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान युद्ध से बाहर निकलने के लिए 'ऑफ-रैंप' यानी ऐसा रास्ता तलाशने पर जोर है, जिससे बिना बड़े नुकसान के संघर्ष खत्म किया जा सके। होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खुलवाना संभावित निकास विकल्पों में अहम माना जा रहा है। ट्रंप लगातार एयरस्ट्राइक के जरिए ईरान पर दबाव बनाने और उसे अपनी शर्तों पर समझौते के लिए मजबूर करने की रणनीति पर जोर देते रहे हैं। हालांकि अमेरिकी सैन्य नेतृत्व का आकलन है कि सिर्फ हवाई शक्ति से निर्णायक लक्ष्य हासिल करना कठिन है। जनरल केन भी सार्वजनिक रूप से कह चुके हैं कि एयरपावर की अपनी सीमाएं होती हैं।

जापान लंबी दूरी तक सटीक हमला करने वाली मिसाइल का कर रहा परीक्षण

चीन की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, सामरिक दृष्टि से भारत को मिल सकता है लाभ

» टोक्यो, यूटर्न/ 09 अगस्त ।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बदलते सुरक्षा हालात के बीच जापान ने अपनी रक्षा नीति में बड़े बदलाव के संकेत दिए हैं। जापान अब लंबी दूरी तक सटीक हमला करने में सक्षम मिसाइल प्रणालियों का परीक्षण कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के जवाब के रूप में देखा जा रहा है। सामरिक दृष्टि से इसका लाभ भारत को भी मिल सकता है, क्योंकि भारत और जापान के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग लगातार मजबूत हो रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक जुलाई के अंतिम सप्ताह में जापान ने दो मिसाइल परीक्षण

किए। पहले परीक्षण में जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने अमेरिकी नौसेना के सहयोग से प्रशांत महासागर में कोंगो श्रेणी के विध्वंसक पोत जेएस चोकाई से अमेरिकी टॉमहॉक क्रूज मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया। इसके साथ ही जापान युद्धपोत से टॉमहॉक मिसाइल दागने वाला तीसरा विदेशी देश बन गया है। दूसरे परीक्षण में जापान एयर सेल्फ-डिफेंस फोर्स ने एफ-2 लड़ाकू विमान से उन्नत टाइप-12 एयर-लॉन्च मिसाइल का परीक्षण किया। इस मिसाइल की मौजूदा मारक क्षमता 900 किलोमीटर से ज्यादा है, जबकि भविष्य में विकसित होने वाले संस्करण की रेंज करीब 1600 किलोमीटर तक हो सकती है। इन मिसाइलों को कम रडार पहचान, नेटवर्क आधारित संचालन और लंबी दूरी तक सटीक हमले की क्षमता के साथ विकसित किया जा रहा है। जापान फिलहाल अमेरिका से 400 टॉमहॉक मिसाइलें खरीद रहा है। इन्हें अंतरिम व्यवस्था के तहत शामिल किया जाएगा, जबकि 2027 तक स्वदेशी लंबी दूरी की मिसाइलों को सेना में शामिल करने की योजना है। हालांकि जापान आधिकारिक तौर पर अपनी रक्षात्मक नीति बनाए रखने की बात कहता है, लेकिन नई सैन्य क्षमताएं यह संकेत देती हैं कि वह जरुरत पड़ने पर दुश्मन के ठिकानों पर जवाबी हमला करने की तैयारी भी कर रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि जापान की बढ़ती सैन्य क्षमता से चीन की रणनीतिक चुनौतियां बढ़ सकती हैं। हालांकि विशेषज्ञ यह भी कहते हैं कि जापान अभी लक्ष्य की पहचान, निगरानी और हमले के आकलन जैसी पूरी 'किल चेन' प्रणाली के लिए अमेरिकी खुफिया और निगरानी तंत्र पर निर्भर है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *